



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 157]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जून 23, 2017/आषाढ़ 2, 1939

No. 157]

NEW DELHI, FRIDAY, JUNE 23, 2017/ASHADHA 2, 1939

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 23 जून, 2017

अंतिम जांच परिणाम

**विषय :** चीन जनवादी गणराज्य के मूल के अथवा वहां से निर्यातित “पॉलीटेट्राफ्लोरोथिलीन या पीटीएफई” के आयात के संबंध में प्रवृत्त पाटन-रोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा (एसएसआर)

**सं. 15/11/2016-डीजीएडी.**—समय-समय पर यथा संशोधित सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे इसके बाद अधिनियम कहा गया है) और समय-समय पर यथा संशोधित (जिसे इसके बाद एडी नियमावली कहा गया है) सीमा शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं और क्षति निर्धारण के लिए पाटन रोधी शुल्क की पहचान, आकलन और संग्रहण) नियमावली के संबंध में।

**क पृष्ठभूमि**

**मूल जांच**

1. चीन (जिसे इसके बाद “संबद्ध देश” भी कहा गया है) के मूल के या वहां से निर्यातित “पॉलीटेट्राफ्लोरोथिलीन या पीटीएफई” (जिसे इसके बाद ‘संबद्ध वस्तु’ भी कहा गया है) के आयातों के संबंध में मूल पाटन-रोधी जांच विनिर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे इसके बाद ‘प्राधिकारी’ भी कहा गया है) द्वारा अधिसूचना संख्या 14/25/2003-डीजीएडी दिनांक 27 जुलाई, 2004 के अनुसार आरंभ की गई थी। प्राधिकारी द्वारा अधिसूचना सं.14/25/2003-डीजीएडी दिनांक 25 जुलाई, 2005 के अनुसार चीन के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर निश्चित पाटन रोधी शुल्कों को लगाने की सिफारिश करते हुए, प्राधिकारी द्वारा अंतिम जांच परिणाम जारी किए गए थे। निष्कर्षों के आधार पर, संबद्ध देश से आयातित वस्तुओं पर केंद्रीय सरकार द्वारा अधिसूचना सं. 91/2005-सीमा शुल्क दिनांक 17 अक्टूबर, 2005 के अनुसार निर्धारित पाटन रोधी शुल्क लगाए गए थे।

### मध्यवर्ती समीक्षा

2. तदनुसार, प्राधिकारी ने उक्त निर्धारित पाटन रोधी शुल्क की मध्यवर्ती समीक्षा आयोजित की और शुल्क को अधिसूचना संख्या 15/33/2008-डीजीएडी दिनांक 26 फरवरी, 2010 के अनुसार संशोधित किया और ऐसे संशोधित शुल्क को केंद्रीय सरकार द्वारा सीमा शुल्क अधिसूचना संख्या 42/2010 दिनांक 5 अप्रैल, 2010 के अनुसार लागू किया था। इस के अतिरिक्त, हितबद्ध पक्षकारों में से एक पक्षकार के अनुरोध पर, सेस्टेट ने मामले का प्रतिपेक्षण किया। सेस्टेट के आदेश के अनुसरण में, प्राधिकारी ने अपीलकर्ता और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को उनके विचार मौखिक रूप में प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया और निर्णय-पश्च परिणाम (मध्यवर्ती समीक्षा) संख्या 15/33/2008 डीजीएडी दिनांक 10 फरवरी, 2012 के अनुसार दिया कि अधिसूचना सं. 15/33/2008-डीजीएडी दिनांक 26 फरवरी, 2010 के अनुसार प्राधिकारी द्वारा जारी अंतिम जांच परिणाम में किसी संशोधन की आवश्यकता नहीं है।

### प्रथम निर्णायक समीक्षा

3. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने, अधिसूचना सं. 15/8/2010-डीजीएडी दिनांक 26 जुलाई, 2010 के अनुसार, स्वतः ही निर्णायक समीक्षा आरंभ की, जिस के अनुसरण में, मै. गुजरात फ्लोरोकेमिकल्स लि. और हिंदुस्तान फ्लोरोकार्बनस लि. से प्राधिकारी को शुल्क की समीक्षा, वृद्धि और उसे जारी रखने का अनुरोध करते हुए निर्णायक समीक्षा के लिए एक भली-भांति प्रमाण देते हुए आवेदन प्राप्त हुआ। प्राधिकारी ने अधिसूचना सं. 15/8/2010 डीजीएडी दिनांक 25 जुलाई, 2011 के अनुसार पाटन रोधी शुल्कों के अधिरोपण को जारी रखने की सिफारिश की जिसे अधिसूचना सं. 81/2011-सीमा शुल्क दिनांक 24 अगस्त, 2011 के अनुसार केंद्रीय सरकार द्वारा अधिरोपित किया गया।

### द्वितीय निर्णायक समीक्षा, वर्तमान याचिका

4. वर्तमान याचिका गुजरात फ्लोरोकेमिकल्स लि. (जिसे बाद में 'याचिकाकर्ता' या 'आवेदक' कहा गया है) द्वारा दायर की गई थी जो चीन ज.ग. से "पॉलीटेट्राफ्लोरोथिलीन" (जिसे इसके बाद पीटीएफई या संबद्ध वस्तु या विचाराधीन उत्पाद 'पीयूसी' कहा गया है) के आयातों पर वर्तमान पाटन रोधी शुल्कों की द्वितीय निर्णायक समीक्षा को आरंभ करने और अवधि के विस्तार, आशोधन और वृद्धि के लिए समय-समय पर यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे इसके बाद अधिनियम कहा गया है) और समय-समय पर यथा संशोधित (जिसे इसके बाद पाटनरोधी नियमावली कहा गया है) सीमा शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं पर पाटन रोधी शुल्क की पहचान, आकलन और संग्रहण एवं क्षति निर्धारण के लिए) नियमावली, 1995 के अनुसरण में प्राधिकारी के समक्ष दायर की गई थी।

5. प्राधिकारी ने, आवेदक द्वारा प्रस्तुत पर्याप्त प्रथम दृष्टया साक्ष्यों के आधार पर, चीन के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के कथित पाटन की विद्यमानता, मात्रा और प्रभाव को निर्धारित करने तथा पाटन रोधी शुल्क की राशि की सिफारिश करने, जो यदि लगाया जाता तो घरेलू उद्योग को कथित क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होता, उक्त नियमावली के नियम 5 के अनुसरण में संबद्ध जांच को आरंभ करते हुए, भारत के राजपत्र में एक अधिसूचना संख्या 15/11/2016-डीजीएडी दिनांक 8 जुलाई, 2016 प्रकाशित की। पाटन रोधी शुल्क की अवधि का 23 अगस्त, 2017 तक विस्तार किया गया है।

6. रूस से आयातित संबद्ध वस्तुओं पर भी वर्ष 2005 से पाटन रोधी शुल्क लगाया गया।

### ख. कार्य-विधि

7. जांच के संबंध में नीचे बताई गई कार्य प्रणाली का अनुसरण किया जा रहा है।

- (i) प्राधिकारी को चीन से पीटीएफई पर प्रवृत्त शुल्क की समीक्षा और उसे जारी रखने के लिए गुजरात फ्लोरोकेमिकल्स से निर्धारित फॉर्मेट में एक भली-भांति अभिप्रमाणित निर्णायक समीक्षा याचिका प्राप्त हुई थी।
- (ii) याचिकाकर्ता ने प्रवृत्त पाटन रोधी शुल्क की समीक्षा और उसे जारी रखने का अनुरोध करते हुए इस संबंध में प्रथम दृष्टया प्रमाण प्रस्तुत किए।
- (iii) प्राधिकारी ने नई दिल्ली स्थित चीनी दूतावास को अधिसूचित किया कि उन्हें घरेलू उद्योग से चीन के मूल से अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के आयातों के विरुद्ध निर्णायक समीक्षा जांच आरंभ करने के लिए एक याचिका प्राप्त हुई है।
- (iv) प्राधिकारी ने, जांच आरंभ किए जाने को सही ठहराते हुए याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत प्रथम दृष्टया साक्ष्य के आधार पर, अधिसूचना सं. 15/11/2017-डीजीएडी दिनांक 8 जुलाई, 2016 के अनुसार चीन के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के आयात के विरुद्ध निर्णायक समीक्षा जांच आरंभ की।
- (v) प्राधिकारी ने आवेदक द्वारा उपलब्ध कराए गए पतों के अनुसार भारत में संबद्ध देश के दूतावास, संबद्ध देश से ज्ञात निर्यातकों, ज्ञात आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को दिनांक 8 जुलाई, 2016 की जांच शुरूआत अधिसूचना

की प्रति भेजी और उन से जांच शुरूआत अधिसूचना के 40 दिनों के भीतर लिखित में उनके विचारों से परिचित कराने का अनुरोध किया।

- (vi) प्राधिकारी द्वारा ऊपर बताई गई नियमावली के नियम 6(3) के अनुसरण में भारत में स्थित चीनी दूतावास को और ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों को आवेदन के अगोपनीय रूपांतरण की प्रति उपलब्ध कराई गई।
- (vii) ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों से निर्धारित समयावधि के भीतर प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत करने और लिखित में उनके विचारों से परिचित कराने का अनुरोध किया गया। निर्यातकों को भेजे गए पत्रों और प्रश्नावलियों की प्रतियां ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों की सूची के साथ संबद्ध देश के दूतावास को भी इस अनुरोध के साथ भेजी गई कि वे संबद्ध देश के निर्यातकों/उत्पादकों को निर्धारित समय के भीतर उत्तर प्रस्तुत करने की सलाह दें।
- (viii) भारत में स्थित चीनी दूतावास को चीन से निर्यातकों/उत्पादकों को निर्धारित समय सीमा के भीतर प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत करने की सलाह देने के अनुरोध सहित नियमावली के नियम 6(2) के अनुसरण में निर्णायक समीक्षा जांच आरंभ करने के बारे में सूचित किया गया। ज्ञात संबद्ध उत्पादकों/निर्यातकों के नामों और पतों सहित चीनी दूतावासों को भी निर्यातकों को भेजे गए पत्र और प्रश्नावली की एक प्रति भेजी गई।
- (ix) प्राधिकारी ने नियमावली के नियम 6(4) के अनुसरण में चीन में निम्नलिखित ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों को संगत जानकारी प्राप्त करने के लिए निर्यातकों की प्रश्नावली भेजी :-
  1. मै. झेनजिन फ्लोरोकार्बनस्, डिंगयान टाउन, चेंगझाऊ सिटी, जियांगसू, चीन
  2. शानडोंग डांगयू केमिकल कं. लि., तंगशान, हुआनताई, जिबो, शानडोंग, चीन
  3. चंगझाऊ जियांगटांग केमिकल कं. लि., सं. 165, किंगलियांग रोड, चंगझाऊ, चीन
  4. ताईझाऊमिलान रेसीन प्रोसेस कं. लि., 460 यांगझाऊ रोड, ताईझाऊ, जियांगसू, ताईझाऊ, जियांगसू (चीन)
  5. शानडोंग डोंगयुई पॉलीमर मेटिरियल कं. लि., तंगशान टाउन हुआन ताई काउंटी, जीबों सिटी, शानडोंग प्रोविंस, चीन
  6. डूपोंट(चंगशू) फ्लोरी टेक्नोलॉजी कं. लि., जियांगसू हाईटेक फ्लोरोकेमिकल इंडस्ट्री पार्क, चंगशू सिटी, जियांगसू प्रोविंस, चीन
- (x) हालांकि, किसी भी निर्यातक ने निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर या कोई भी अन्य प्रस्तुतियां दायर नहीं की।
- (xi) प्राधिकारी ने नियमावली के अनुसरण में अनिवार्य जानकारी मांगने के लिए भारत में संबद्ध वस्तुओं के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं/संघों को आयातकों की प्रश्नावलियां भेजी :-
  1. मै. मेरठ पीटीएफई प्रोडक्ट्स प्रा.लि., सी-2 इंडस्ट्रियल, एस्टेट, प्रतापुर, मेरठ-250103
  2. मै. ट्रीस्टार इलेक्ट्रानिक्स, ए-8 इंडस्ट्रियल एरिया, मेरठ रोड, गाजियाबाद, 201003, उ.प्र.
  3. मै. टोंक एण्ड एसोसियेट्स (प्रा.) लि., 48-49, मोखमपुर, इंडस्ट्रियल कॉम्प्लेक्स, फेज-II, दिल्ली रोड, रिठानी मेरठ-250103,
  4. मै. ई आई डूपोंट इण्डिया प्रा. लि., डीएलएफ साईबर, ग्रीन, 7 फ्लोर-सी टावर, 25 ए डीएलएफ सिटी, फेज-III, गुडगांव, हरियाणा- 122002
  5. मै. टी एण्ड एफ इन्सुलेशनस् (प्रा.) लि., 503 पुलिस लाईंस रोड, बुलंदशहर, 203001, उ.प्र.
  6. मै.सांघवी प्रोडक्टस्, 36, ललित वेयर हाउस, नारोलसारखेज हाइवे, नारोल, अहमदाबाद-382405, गुजरात
  7. मै. यू. गायनका एण्ड संस लि. ग्रीन होम, II हाउस, ग्रीन स्ट्रीट, मुंबई- 400001, महाराष्ट्र
  8. मै. प्रगति इंटरनेशनल, 15, आराधना कॉलोनी, सेक्टर XIII, आरकेपूरम, नई दिल्ली।
  9. मै. विनस इंडस्ट्रीज, लोटस बिल्डिंग 171, प्लॉट सं. 9, विलेज मोतीबाग, नमारपुरा, नई दिल्ली।
  10. मै. सुप्रीमो पॉलीमर इंडस्ट्रीज नं.5 एण्ड 8, दर्शन इंडस्ट्रियल एस्टेट, नियर चिराग डायमंड, एलबीएस स्टेडियम रोड, बापूनगर, अहमदाबाद, 380021, गुजरात।
  11. मै. ग्वारनीफ्लोन इंडिया प्रा. लि., एस नं. 116/1 एण्ड 116/2, विलेज काला, अंबोली, सिलवास, 396191, दादर एण्ड नागर हवेली।

12. मै. टी कोटिंग इंडस्ट्रीज, जी.डी. हाई स्कूल के पास, सझपुरा भोगा, नरोडा रोड, अहमदाबाद, - 382345, गुजरात
13. मै. प्रगति प्लास्टिक प्राइवेट लिमिटेड, 15, आराधना कॉलोनी, सेक्टर-12, आर.के. पुरम, नई दिल्ली
14. मै. ऑटोमेट इंडस्ट्रीज, 62. आदर्श इंडस्ट्रीज, नियर चाकुडिया महादेव, अहमदाबाद, गुजरात
15. मै. डिप फ्लोन इंजीनियरिंग कं., बी -143 बी.जी टॉवर, सांगिबाग रोड, अहमदाबाद - 380004, गुजरात
16. मै. प्लास्टिक प्रोडक्ट इंजीनियरिंग कं, जिला न्यायालय के पास, पो. नरोल- 382405, अहमदाबाद, गुजरात
17. मै. कोरोजन इंजीनियर्स, नियर गुजरात स्क्रीन प्रिंटिंग वर्क्स,, अपो. नारोल विलेज, बिहाइंड सरानिया वास, पो. नारोल, अहमदाबाद, गुजरात
18. मै. टीएफई कोटिंग इंडस्ट्रीज, प्लॉट नं. सी 89/8, गिडक एस्टेट, वात्वा गिड, पो. सैजपुर भोगला, नरोडा रोड, अहमदाबाद - 382445, गुजरात
19. मेसर्स मैकेनिकल पैकिंग इंडस्ट्रीज, 15, पारसीपंचायत रोड, अंधेरी (वेस्ट), मुंबई 400069, महाराष्ट्र
20. मै. माच पॉलिमर्स, टी -112, एमआईडीसी, भोसारी, पुणे 411026, महाराष्ट्र
21. मै. टी एंड एफ इंसुलेशनस् प्राइवेट लिमिटेड, 503, पुलिस लाइन रोड, बुलंदशहर - 203001, उत्तर प्रदेश
22. मै. गाज़ियाबाद फ्लोपोल इंसुलेशनस् प्राइवेट लिमिटेड, केएम, माइलस्टोन, मेरठ रोड, गाज़ियाबाद - 201001, उत्तर प्रदेश
23. मै. सांघवी टेक्नो प्रोडक्ट्स, नं. 119, ललितवेयर हाउस, नियर रानीपुर पाटिया, नारोल सरखेज हाइवे, अहमदाबाद - 382405, गुजरात
24. मै. डीप फ्लोन इंजी. एंड कं, प्लॉट नं. सी 1, 803804 जीआईडीसी, इंडीस्ट्रीजयल एस्टेट, छत्राल - 382729, गांधीनगर, गुजरात
25. मै. जय हिंद पॉलीमर्स, एच -81, एम.आई.डी. डी.सी. कुपवाड ब्लॉक, सांगली - 416 436, महाराष्ट्र
26. मै. कानन पॉलीमर्स, 146 ए, शिव शक्ति एस्टेट, बी / एच विजय ट्रांसपोर्ट कं नारोल क्रॉस रोड, नारोल, अहमदाबाद, गुजरात
27. मै. ध्वनि पॉलीमर इंडस्ट्रीज, सं. 61, कामेश्वर एस्टेट, प्लॉट नं. 3609, फेज -4, जी.आई. डी.सी., वात्वा, अहमदाबाद - 382445, गुजरात
28. मै. एफलॉन इंजी. कॉरपोरेशन, सिटी मिल कंपाउंड, कंकरिया रोड, कंकरिया, नियर बिग बाजार, अहमदाबाद - 380022, गुजरात
29. मै. टेफकोट केबल कंपनी, 1004, रिथानी (पूर्व), दिल्ली रोड, मेरठ - 250103, उत्तर प्रदेश
30. मै. पैक्लोन इंडस्ट्रीज, नंबर 53, बालाजी एस्टेट, अपोजिट होटल अवतार, एनएच नं. 8, सानपुर, अहमदाबाद -382443, गुजरात
31. मै. इलेक्ट्रो पॉलीमर्स प्राइवेट लिमिटेड, 8, ज्योति इंडस्ट्रियल एस्टेट, नियर विशाल टेक्सटाइल्स, अपोजिट नारोल ग्राम, नारोल, अहमदाबाद - 382405, गुजरात
32. मै. अंगना इंटरनेशनल, 41, साल्विक कॉम्प्लेक्स, नवरंगपुरा, अहमदाबाद -380023, गुजरात
33. मै. प्लास्टिक प्रोडक्ट इंजीनियरिंग कंपनी, नियर डिस्ट्रिक्ट कोर्ट, पो.- नारोल, अहमदाबाद -382405, गुजरात
34. मै. गुआरनीफ्लॉन इंडिया प्रा. लिमिटेड, सर्वे.न. 116/1 और 116/2, गांव काला, अंबोली, सिल्वासा - 3 9 3230
35. मै. फ्लोरो कार्बन सील्स, 3/178, ओल्ड महाबलिपुरम रोड, थुराईपक्कम, चेन्नई - 600 096, तमिलनाडु
36. मै. फ्लोरोप्लास्ट इंडस्ट्रीज, 5/2, दशरथ एस्टेट, एनआर रेवाभाई एस्टेट, सी.टी.एम. क्रॉस रोड, अहमदाबाद - 380026, गुजरात
37. मै. एस एन इंटरप्राइज, 15 ए / बी, सरदार पटेल इंडस्ट्रियल एस्टेट, नारोल, अहमदाबाद -382405, गुजरात

38. मै. प्रेसिजन पॉलीमर इंडस्ट्रीज, 66, माहेश्वरी इंडस्ट्रियल एस्टेट, तावाडीपुर, शाहीबाग रोड, अहमदाबाद - 380004, गुजरात
39. मै. सांघवी टेक्नो-प्रोडक्ट्स, 119, ललित बेयरहाउस, नारोल-सरखेज राजमार्ग, नारोल, अहमदाबाद-382405, गुजरात
40. मै. सारासंस इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज, आकाश गंगा, तीसरा तल, गुजरात कॉलेज रोड, एलिसब्रिज, अहमदाबाद - 380006, गुजरात
41. मै. गणेश फ्लोन, 6, महावीर एस्टेट, नियर अप्सरा सिनेमा, खोखारा, अहमदाबाद, गुजरात
42. मै. पाप-फ्लोन इंजीनियरिंग कं, प्लॉट नं. 4721/22, फेज -4, जीआईडीसी, वात्वा, अहमदाबाद - 382445, गुजरात
43. मै. जीएमएम पिफाउलडर लिमिटेड, पी-बॉक्स नं -1, आनंद सोजित्रा रोड, कर्मसाड
44. मै. पॉली फ्लोरो प्रोडक्टस्, ए -15, नंदज्योत इंडस्ट्रियल एस्टेट, सफेद पुल, साकिनाका, मुंबई -400072, महाराष्ट्र
45. मै. विमल पॉलीमर इंडस्ट्रीज, 115-116 कमला भवन, शर्मा इंडस्ट्रियल एस्टेट, बालबाट रोड, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई -400063, महाराष्ट्र
46. मै. हिंदुस्तान पॉलीमर्स, 37/501, साई सिद्धि सोसायटी, छत्रपती शिवाजीराजे कॉम्प्लेक्स, (वेस्ट), मुंबई - 400067, महाराष्ट्र
47. मै. टेफोल पॉलीमर इंडस्ट्रीज, 306 / बी, 'निशा' अपार्टमेंट, जनकल्याण नगर, मालवण-I, मार्वे रोड, मलाड (वेस्ट), मुंबई -400095, महाराष्ट्र
48. मै. डायनेमिक (जीएलएस) इंडस्ट्रीज, 33, म्यूनिसिपल इंडस्ट्रियल एस्टेट, उम्मेल्फाटा, पैण्डी, वसाई (वेस्ट), जिला-ठाणे - 401207, महाराष्ट्र
49. मै. त्रिमूर्ती पॉलीमर, ए-5 / 503, हैप्पी वैली, टिक्कू-जी-नी-वाडी रोड, चित्तलसार, मनपाडा, ठाणे (वेस्ट) - 400610, महाराष्ट्र
50. मै. पीटीएफई रबर वर्क्स, 8, गीता इंड. एस्टेट, आई.बी.पटेल रोड, गोरेगांव (ईस्ट), मुंबई - 400063, महाराष्ट्र
51. मै. इगतवीन पॉलीमर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट 4 एंड 5, गट 322/233, डेम रोड, विलेज -तलेगांव, इगतपुरी -422403
52. मै. मैकेनिकल सील्स एंड पैकेजिंग इंडस्ट्रीज, 6, जामनदास इंडस्ट्रियल एस्टेट, डॉ आरपी रोड, मुलुंड (वेस्ट), मुंबई - 400080
53. मै. श्रद्धा पोलिमर इंडस्ट्रीज, ए 2/102, श्रुति गार्डन, मनोरमा नगर, कोल्सेत रोड, ठाणे (वेस्ट) - 400607
54. मै. एपेक्स पॉलीमर्स, 130, नागदेवी स्ट्रीट, 1 तल, मुंबई - 400003
55. मै. गैलेक्सी थर्मोप्लास्ट प्राइवेट लिमिटेड, डब्ल्यू -10 एण्ड 11, पंचाल उद्योग नगर, गोडदेव रोड, भयंदर (ईस्ट), ठाणे - 401105
56. मै. मॉडर्न इंडस्ट्रियल कारपोरेशन, 104 / डी, गवर्नमेंट इंडस्ट्रियल एस्टेट, कांदिवली (वेस्ट), मुंबई - 400096
57. मै. मोरफ्लोन इंडस्ट्रीज, डब्ल्यू -303, एमआईडीसी, पाइपलाइन रोड, रबेल, नवी मुंबई
58. मै. जे के पॉलीमर इंडस्ट्रीज, बी / 6, सेकसरिया इंडस्ट्रियल एस्टेट, चिंचोली, एसवी रोड, मलाड (वेस्ट), मुंबई -400064
59. मै. पॉलीमर्स, एफ -41, नंदधाम इंड. एस्टेट, मरोल मारोशी रोड, अंधेरी (ईस्ट), मुंबई - 400059
60. मै. गर्ग साइंटिफिक इंस्ट्रूमेंटस्, 39, भारत उद्योग नगर, बाबासाहेब कोटकर मार्ग, गोरेगांव (ईस्ट), मुंबई - 400063
61. मै. वी बी इंडस्ट्रीज, गाला नं. जी / 1, ग्रा.फ्लोर, सैलेश इंड. एस्टेट नं .8, नवघर, वसाई (ईस्ट) - 401210, जिला ठाणे ।

62. मै. वी.वी. फ्लोरो प्रोडक्ट, 17, पांडे कंपाउंड, सोनावाला क्रॉस रोड नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई - 400063
63. मै. श्याम पॉलीमर, गाला नं. 3, साई-उद्योग एस्टेट नं. 2, एनआरएचपी गैस गोदाम, पंचाल नगर, भयंदर (ईस्ट), जिला ठाणे -401105
64. मै. एस इंडस्ट्रीज, सी -203, गीता सरोवर, गीता नगर, फेज -7, भयंदर (ईस्ट), जिला ठाणे - 401105
65. मै. श्याम फ्लोरो प्रोडक्ट्स, 103, खंडोबा विशाल इंडस्ट्री एस्टेट, पंचाल नगर, भयंदर (ईस्ट), ठाणे - 401105, महाराष्ट्र
66. मै. किरण इंजीनियरिंग, बी -7 / 6, कोठारी परिसर नं. 3, चित्तलसार, मनपाडा, ठाणे (वेस्ट) - 400607
67. मै. एक्युरेट पैकिंग एण्ड सील्स, गाला नं. 1, वैशाली नगर, मोहन अर्जुन कंपाउंड, नियर करीम सेठ इंड.। एस्टेट, दहिसर (ईस्ट), मुंबई - 400068
68. मै. आशीष डाई एण्ड मोल्ड्स, 151, रामजनक कंपाउंड, अपोजिट वीना दलाई एस्टेट, ओशिवारा, जोगेश्वरी (वेस्ट), मुंबई - 400102
69. मै. फ्लोरो-टेक इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड, 132, स्वामी विवेकानंद इंडस्ट्रीज को-ऑप सोसाइटी, हण्डेवाडी रोड, हडापसर, पुणे - 411028
70. मै. नेशनल फ्लूरोमर्स, इंडस्ट्रियल प्लॉट नंबर 1/2, शारदारम पार्क, नियर एमआईडीसी, मीराज - 416410, महाराष्ट्र
71. मै. मास्क सील्स कंपनी, एस-ब्लॉक, 72/4, एमआईडीसी, भोसारी, पुणे - 411026
72. मै. नियो वायर्स एंड अलाईड प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, एस-ब्लॉक, डब्ल्यू -232, एमआईडीसी, भोसारी, पुणे - 411026
73. मै. हाई-टेक पॉलीमर्स, टी -152, एमआईडीसी, भोसारी, पुणे - 411026
74. मै. सुफ्लोन इंडस्ट्रीज, 110, अनुराग गंगोटे पथ, नियर कमला नेहरू पार्क, पुणे - 411004
75. मै. हिंदुस्तान नायलॉन, सी -23, एमआईडीसी, मिराज -416410, जिला सांगली, महाराष्ट्र
76. मै. आरती इंजी. प्लास्टिक्स, 116, थांबू चेटी स्ट्रीट, चेन्नई - 600001
77. मै. स्पेयरएज इंडिया लिमिटेड ऑयल सील हाउस, रोड नंबर 28, वागले एस्टेट, ठाणे (वेस्ट), मुंबई - 400604
78. मै. केदार पॉलीमर्स, भैरवनाथ इंजीनियरिंग वर्क्स, 259, नियर मिथ-गंज पुलिस चौकी, महात्मा फूले (गंज) पेठ, पुणे -411002
79. मै. बाबूजी इलेक्ट्रॉनिक्स एंड केमिकल्स, प्लॉट नंबर 11 एण्डब 14, बाबूजी एन्क्लेव, माधापुर, साइबराबाद, हैदराबाद - 500081, आंध्र प्रदेश.
80. मै. फ्लोरा एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट सं. 86 और 87, क्रम सं. 170, फेज -4 एक्सटेंशन, आईडीए जेदीमेटला, दुलापल्ली रोड, हैदराबाद -55
81. मै. फ्लुकोन पॉलीमर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नंबर ए -59/2, आईडीए कुक्कटपल्ली, गांधीनगर, बालनगर, हैदराबाद - 500037
82. मै. बाफना इंडस्ट्रियल स्टोर, 4-2-244, ओल्ड भोइगुडा, (महाकाली स्ट्रीट), सिकंदराबाद - 500003
83. मै. फ्लोरोक्राफ्ट प्राइवेट लिमिटेड, नं. 274, द्वितीय मुख्य रोड, नेहरू नगर, कोट्टिवक्कम, चेन्नई - 600096
84. मै. इंडस्ट्रियल स्पेयर्स मैनुफैक्चरिंग एंड ट्रेडिंग कं. प्लॉट नं. 66, 77 परंगुडी इंडस्ट्रियल एस्टेट, चेन्नई - 600096
85. मै. इंडोफैब इंजीनियर्स, प्लॉट # 19, काकातिया नगर, गोलकोंडा रोड, हैदराबाद - 500008
86. मै. ट्रेलेबॉर्ग सीलिंग सॉल्यूशंस (इंडिया) प्रा.लि., नं.37, 32 क्रॉस, 7 वां ब्लॉक, जयनगर, बेंगलोर -70
87. मै. पीकेएन केप्स एंड पॉलीमर (प्रा.) लिमिटेड, बी -12, ए, ब्रिगेड एमएम इंडस्ट्रीज कॉम्प्लेक्स, न्यू के.आर. रोड, जयनगर, बेंगलोर -82

88. मै. रोलऑन वीयरिंग्स प्रा. लि., 7 मील, कनकपुरा रोड, दोदकालसंद्रा, बेंगलूर - 560062, कर्नाटक
89. मै. कर्नाटक पॉलीमर प्रोडक्ट नं.124 / 2 बी, कच्छानायकनहल्ली, हेंन नगर पोस्ट, नेक्सशट बोम्मासांद्रा इंड. एरिया, बेंगलूर -06
90. मै. विसान पॉलीमर्स, 113, केआईएडीबी इंडस्ट्रियल एस्टेट, तरीहाल, हुबली, कर्नाटक
91. मै. एमआईएल इंडस्ट्रीज लिमिटेड, 25 ए, इंडस्ट्रियल एस्टेट, अंबातुर, चेन्नई - 600098
92. मै. एचआईएल पॉलीमर्स, हाउस.4-89/2, चंदानगर, हैदराबाद - 500050
93. मै. पॉली फ्लोरो लि. , 260 ए, बोम्मासंद्रा इंड. एरिया, होसुर रोड, बेंगलूर - 560099
94. मै. रसाई फ्लो लाइंस, 34, न्यू स्ट्रीट, मद्रुवांकुरै, गुडंडी, चेन्नई - 600032
95. मै. सिफलॉन पॉलीमर्स, 76 एण्ड, 77, मैथ्री नगर फेज-1, मियापुर, हैदराबाद - 500050, आंध्र प्रदेश, भारत
96. मै. फ्लूरोथर्म इंडस्ट्री, एमसीएच नं 5-9-266, राजीव गांधी नगर प्रशांत नगर, कुक्कटपल्लीब, हैदराबाद -500 037
97. मै. फाइनर एंटरप्राइजेज प्राइवेट लि., नं. 5/357 ए, राजीव गांधी सलाई (ओल्ड महाबलीपुरम रोड), ओक्कीयम टेढ़ाई, चेन्नई - 600097
98. मै. जोमोक्ससंमार लिमिटेड, 9, कैथेड्रल रोड, चेन्नई - 600086
99. मै. श्री जी फ्लोरो पॉलीमर्स प्राइवेट लिमिटेड, सारेगाम (प्लास्टिक जोन), तालुका उम्बेगांव, वापी, गुजरात - 396155

- (xii) मै. एम आई एल इंडस्ट्रीज, मै. रोलऑन वीयरिंग्स प्रा. लि., मै. सिफलॉन पॉलीमर्स प्रा. लि. ने प्रत्युत्तर दिया और कहा कि उन्होंने पीओआई के दौरान पीयूसी का चीन जन.गण.से आयात नहीं किया है।
- (xiii) भारत में संबद्ध वस्तुओं के किसी अन्य आयातक/प्रयोक्ता/संघ ने न तो पत्र का उत्तर प्रस्तुत किया है न ही निर्धारित फार्म और तरीके में इसे प्रस्तुत किया है या कोई अन्य प्रस्तुतियां की है।
- (xiv) जिन निर्यातकों, उत्पादकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों, ने न तो प्राधिकारी को प्रत्युत्तर दिया है न ही इस जांच के संगत कोई जानकारी प्रस्तुत की है, उन्हें असहयोगी हितबद्ध पक्षकार माना गया है।
- (xv) प्राधिकारी ने नियम 6(6) के अनुसरण में, मौखिक रूप से संगत जानकारी प्रस्तुत करने का हितबद्ध पक्षकारों को एक अवसर उपलब्ध कराने के लिए 31 जनवरी, 2017 को एक मौखिक सुनवाई आयोजित की जिसमें घरेलू उद्योग द्वारा केवल इसके प्रतिनिधियों के साथ भाग लिया गया। घरेलू उद्योग में से जिन हितबद्ध पक्षकारों ने मौखिक सुनवाई के समय अपने विचार मौखिक रूप प्रस्तुत किए थे, उन्हें मौखिक रूप से से व्यक्त किए गए विचारों को लिखित रूप में प्रस्तुत करने की सलाह दी गई।
- (xvi) याचिकाकर्ता से अनिवार्य सीमा तक अतिरिक्त जानकारी की मांग की गई।
- (xvii) प्राधिकारी ने निरीक्षण के लिए खुली रखी गई एक सार्वजनिक फाइल के रूप में, किसी अन्य हितबद्ध पक्षकारों से प्रत्युत्तर प्राप्त न होने पर, अकेले घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्य को अगोपनीय रूपांतरण उपलब्ध कराता है।
- (xviii) जांच की अवधि सहित, पिछले तीन वर्षों के लिए संबद्ध वस्तुओं के आयातों के विवरणों पर आयातों और क्षति विश्लेषण की मात्रा और मूल्य के परिकलन के लिए वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकी महानिदेशालय(डीजीसीआई एण्ड एस) के आंकड़ों का सहारा लिया गया है।
- (xix) सामान्य रूप से स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांतों (जीएएपी) के आधार पर घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत की गई जानकारी पर आधारित भारत में संबद्ध वस्तुओं के निर्माण और बिक्री की लागत और उत्पादन लागत की क्षति रहित कीमत तैयार की गई है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यदि पाटन मार्जिन की तुलना में पाटन रोधी शुल्क निम्न है तो घरेलू उद्योग की क्षति को दूर करने के लिए पाटन मार्जिन पर्याप्त होगा। पाटन रोधी नियमावली के अनुबंध-III के तहत निर्धारित सिद्धांतों की शर्तों के अनुसार प्राधिकारी द्वारा एन आई पी निर्धारित किया गया है।
- (xx) वर्तमान समीक्षा के प्रयोजनार्थ जांच की अवधि अप्रैल 2015 - मार्च 2016 है और क्षति विश्लेषण 2012-13, 2013-14, 2014-15 की अवधि और जांच की अवधि के लिए किया गया है।
- (xxi) इस जांच परिणाम में जहां भी संगत पाया गया, प्राधिकारी द्वारा इस जांच की अवधि के दौरान अन्य हितबद्ध

पक्षकारों द्वारा किसी प्रस्तुती के अभाव में, अकेले घरेलू उद्योग द्वारा की गई प्रस्तुती पर विचार किया गया है।

- (xxii) घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना और आंकड़ों के संबंध में आवश्यक सीमा तक जांच आयोजित की गई।
- (xxiii) हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर उपलब्ध कराई गई सूचना की गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में जांच की गई। प्राधिकारी ने जहां भी जरूरी था, गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया है और ऐसी सूचना पर गोपनीय के रूप में विचार किया गया और उस अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट नहीं किया गया है। जहां भी संभव था, गोपनीय आधार पर सूचना उपलब्ध कराने वाले पक्षकारों को गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना का पर्याप्त अगोपनीय रूपांतरण भी उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया।
- (xxiv) जहां भी हितबद्ध पक्षकारों ने जांच की अवधि के दौरान पहुंच से इंकार किया या अन्यथा रूप से आवश्यक सूचना उपलब्ध नहीं कराई या उल्लेखनीय रूप से जांच में बाधा डाली, प्राधिकारी ने ऐसे पक्षकारों को असहयोगी माना है और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर जांच परिणामों को दर्ज किया।
- (xxv) प्राधिकारी ने 30/05/2017 को नियम 16 के तहत एक प्रकटीकरण बयान जारी किया और 12 जून, 2017 तक प्रकटीकरण बयान पर टिप्पणियां देने का अवसर प्रदान किया।
- (xxvi) \*\*\*गोपनीय आधार पर एक हितबद्ध पक्षकार द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना का प्रतिनिधित्व करता है और नियमावली के तहत प्राधिकारी द्वारा इसी प्रकार उस पर विचार किया जाता है।
- (xxvii) इस विषयगत जांच परिणाम में प्राधिकारी द्वारा पीओआई के दौरान अभिभावी 1 अमरीकी डॉलर = रु. 65.91 की औसत विनिमय दर अपनाई गई है।
- (xxviii) ग. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु

#### 8. विचाराधीन जांच के कार्यक्षेत्र के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:-

क. वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच में विचाराधीन उत्पाद चीन जन.गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित “पॉलीटेट्राफ्लोरोथिलीन” है जिसे बाजार में “पीटीएफई” भी कहा जाता है जिसे इसके बाद “पीटीएफई” या “विचाराधीन उत्पाद” या “पीयूसी” या “संबद्ध वस्तु” भी कहा गया है और समान वस्तु है जैसा यह पिछली जांचों में था क्योंकि पीयूसी के संबंध में समय के साथ-साथ कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं आया है।

ख. पीटीएफई विभिन्न ग्रेडों में उत्पादित होता है, जैसे कि मॉल्लिंग ग्रेड, फाइन पाउडर, एक्जुस डिसपर्सन्स कंपाउंड ग्रेड्स और फिल्ड ग्रेड्स। विगत जांच के कार्य-क्षेत्र में जिन सभी ग्रेड्स को शामिल किया गया था, उन सभी ग्रेड्स को वर्तमान समीक्षा जांच के कार्य-क्षेत्र में भी शामिल किया गया है। पीटीएफई को उसकी रासायनिक निष्क्रियता इलेक्ट्रिकल और थर्मल इंसुलेशन, घर्षण के कम गुणांक, नॉन-टाक्सिक, अज्वलनशील, रेडिएशन के प्रतिरोध, स्थिर और गतिशील घर्षण के कम स्तर और व्यापक आवर्ती रेंज में उत्कृष्ट विद्युतीय गुणों जैसी अद्वितीय विशेषताओं के लिए इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक, मैकेनिकल और रासायनिक उद्योगों में प्राथमिक रूप से प्रयोग किया जाता है।

ग. पालीटेट्राफ्लोरोइथिलीन (पीटीएफई) को सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम के उप-शीर्ष संख्या 390461 के अंतर्गत तथा हार्मोनाइज्ड प्रणाली पर आधारित भारतीय व्यापार वर्गीकरण (आईटीसी) में उप-शीर्ष संख्या 39046100 के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है और यह निर्देशात्मक मात्र है तथा यह किसी भी तरीके से जांच के कार्य-क्षेत्र पर बाध्यकारी नहीं है।

घ. नियमावली में उल्लिखित परिभाषा के अनुसार घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तुएं और आयातित उत्पाद दोनों भौतिक और रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, कार्य और प्रयोगों, उत्पाद विनिर्देशनों, कीमत निर्धारण, वितरण और विपणन तथा वस्तुओं के टैरिफ वर्गीकरण आदि जैसे मापदंडों के अनुसार समान वस्तुएं हैं। उपभोक्ता इन दोनों वस्तुओं का उपयोग एक दूसरे के स्थान पर कर रहे हैं।

#### अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदन

9. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तुओं के संबंध में संबद्ध देश से किसी भी निर्यातक/उत्पादक, आयातक, उपभोक्ता, प्रयोक्ता, एसोसिएशन ऑफ इंडिया अथवा किसी भी अन्य हितबद्ध पक्षकार ने कोई निवेदन नहीं किया है अथवा टिप्पणियां प्रस्तुत नहीं की हैं।

#### प्राधिकारी द्वारा जांच

10. संबद्ध वस्तुएं सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय - 39 के अंतर्गत उप-शीर्ष संख्या 3904.6100 के अंतर्गत आती हैं। तथापि, सीमा-शुल्क का यह वर्गीकरण निर्देशात्मक है और यह जांच के कार्य-क्षेत्र और उपायों पर बाध्यकारी नहीं है।



11. घरेलू उद्योग ने यह दावा किया है कि याचिकादाता के उत्पाद और संबद्ध देश से निर्यातित उत्पाद के बीच कोई ज्ञात अंतर नहीं है। दोनों उत्पादों में भौतिक और रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया और प्रोद्योगिकी, कार्यों और प्रयोगों, उत्पाद विनिर्देशनों, कीमत निर्धारण, वितरण और विपणन तथा वस्तुओं के टैरिफ वर्गीकरण आदि जैसे मापदंडों के अनुसार तुलनीय विशेषताएं हैं। याचिकादाता आवेदक द्वारा उत्पादित और संबद्ध देश से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं में कोई विशेष अंतर नहीं है तथा दोनों वस्तुएं तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापन योग्य हैं।

12. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चूंकि वर्तमान जांच, निर्णायक समीक्षा जांच है और किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने प्राधिकारी द्वारा यथा परिभाषित विचाराधीन उत्पाद के अभिप्राय और कार्य-क्षेत्र का विरोध नहीं किया है, इसलिए उन्होंने विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र को वही रखा है जैसा कि विगत अंतिम जांच परिणाम के समय निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा विचार किया गया था।

### **विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु**

"2. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद चीन जनवादी गणराज्य के मूल के अथवा वहां से निर्यातित "पालीटेराफ्लोरोइथिलीन (पीटीएफई)" है (जिसे आगे संबद्ध वस्तुएं भी कहा गया है)। संबद्ध वस्तुओं को सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम के उप-शीर्ष संख्या 390461 के अंतर्गत तथा हार्मोनाइज्ड प्रणाली पर आधारित भारतीय व्यापार वर्गीकरण (आईटीसी) में उप-शीर्ष संख्या 39046100 के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है। सीमा-शुल्क का यह वर्गीकरण निर्देशात्मक मात्र है और यह किसी भी तरीके से जांच के कार्य-क्षेत्र पर बाध्यकारी नहीं है। पीटीएफई विभिन्न ग्रेडों में उत्पादित होता है, जैसे कि मॉल्लिंग ग्रेड, फाईन पाउडर, एक्जुस डिस्पर्सन्स कंपाउंड ग्रेड्स और फिल्ड ग्रेड्स। ये सभी ग्रेड्स विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र में शामिल हैं। पीटीएफई को उसकी रासायनिक निष्क्रियता इलेक्ट्रिकल और थर्मल इंसुलेशन, घर्षण के कम गुणांक, नॉन-टाक्सिक, अज्वलनशील, रेडिएशन के प्रतिरोध, स्थिर और गतिशील घर्षण के कम स्तर और व्यापक आवर्ती रेंज में उत्कृष्ट विद्युतीय गुणों जैसी अद्वितीय विशेषताओं के लिए इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रानिक, मैकेनिकल और रासायनिक उद्योगों में प्राथमिक रूप से प्रयोग किया जाता है।"

13. प्राधिकारी द्वारा पहले की गई सिफारिशों के आधार पर पीटीएफई के आयातों पर पाटन-रोधी शुल्क पहले से लागू है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह याचिका लागू पाटन-रोधी शुल्क की समीक्षा करने और उसको निरंतर लागू रखे जाने के लिए है तथा समान वस्तु के मुद्दे का निवारण, मूल जांच में पहले से ही कर लिया गया है।

14. रिकार्ड पर उपलब्ध सूचना से प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित उत्पाद, संबद्ध देश से आयातित वस्तुओं के समान वस्तु है और इसकी संपुष्टि अंतिम जांच परिणाम में कर दी गई है।

### **घ. घरेलू उद्योग का कार्य-क्षेत्र और आधार**

#### **घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन**

15. घरेलू उद्योग के कार्य-क्षेत्र और आधार पर घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-

(क) याचिका मैसर्स गुजरात फ्लोरोकैमिकल्स लिमिटेड द्वारा प्रस्तुत की गई है। याचिकादाता भारत में संबद्ध वस्तुओं का प्रमुख उत्पादक है। इसके अतिरिक्त मैसर्स हिन्दुस्तन फ्लोरोकार्बन्स नामक एक अन्य कंपनी भी है जो कि संबद्ध वस्तुओं का उत्पादन करती है। लेकिन मैसर्स गुजरात फ्लोरोकैमिकल्स लिमिटेड के संबद्ध वस्तुओं का उत्पादन जांच अवधि में घरेलू उत्पादन में \*\*\*% भाग बनता है। इस प्रकार याचिकादाता घरेलू उद्योग बनता है और वह पाटन-रोधी नियमावली के नियम 2 (ख) और नियम 5 (3) में उल्लिखित अपेक्षाओं को संतोषजनक ढंग से पूरा करता है तथा उसका वर्तमान याचिका दायर करने का अधिकार बनता है।

(ख) जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग ने संबद्ध वस्तुओं का कोई आयात नहीं किया है। इसके अतिरिक्त घरेलू उद्योग संबद्ध देश में विचाराधीन उत्पाद के किसी निर्यातक अथवा भारत में किसी आयातक से भी (प्रत्यक्ष रूप से अथवा अप्रत्यक्ष रूप से) संबंधित नहीं है।

#### **अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदन**

16. घरेलू उद्योग के कार्य-क्षेत्र अथवा आधार के संबंध में संबद्ध देश से किसी भी निर्यातक/उत्पादक, आयातक, उपभोक्ता, प्रयोक्ता, एसोसिएशन ऑफ इंडिया अथवा किसी भी अन्य हितबद्ध पक्षकार ने कोई निवेदन नहीं किया है अथवा टिप्पणियां प्रस्तुत नहीं की हैं।

#### **प्राधिकारी द्वारा जांच**

17. पाटन रोधी नियमावली के नियम 2 (ख) में घरेलू उद्योग को निम्नानुसार परिभाषित किया गया है:-

"(ख) "घरेलू उद्योग" का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा ऐसे उत्पादकों से हैं जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा भाग बनता है सिवाए उस स्थिति के जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं अथवा वे स्वयं उसके आयातक होते हैं, तो ऐसे मामले में "घरेलू उद्योग" पद का अर्थ शेष उत्पादकों के संदर्भ में लगाया जा सकता है।"

18. याचिकादाता नियमावली के अंतर्गत घरेलू उद्योग के आधार की अपेक्षा को संतोषजनक ढंग से पूरा करता है और वह घरेलू उद्योग बनता है क्योंकि याचिकादाता कंपनी का उत्पादन भारतीय उत्पादन का लगभग \*\*\*% बनता है और याचिकादाता नियम 2 (ख) में उल्लिखित परिभाषा के भीतर एक पात्र घरेलू उद्योग बनता है। याचिकादाता ने संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं का कोई आयात नहीं किया है और न ही याचिकादाता संबद्ध वस्तुओं के किसी निर्यातक अथवा आयातक से संबंधित है। इसलिए प्राधिकारी का यह मानना है कि मेसर्स गुजरात फ्लोरोकैमिकल्स लिमिटेड उपरोक्त नियमावली के नियम 2 (ख) और नियम 5 में उल्लिखित घरेलू उद्योग संबंधी परिभाषा के भीतर घरेलू उद्योग बनता है।

## ड. गोपनीयता

19. सूचना की गोपनीयता के संबंध में पाटन-रोधी नियमावली के नियम-7 में निम्नानुसार व्यवस्था है:-

"7. गोपनीय सूचना : (1) नियम 6 के उपनियमों (2), (3) और (7), नियम 12 के उपनियम (2), नियम 15 के उपनियम (4) और नियम 17 के उपनियम (4) में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी जांच की प्रक्रिया में नियम 5 के उपनियम (1) के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों के प्रतियां या किसी पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर निर्दिष्ट प्राधिकारी को प्रस्तुत किसी अन्य सूचना के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी उसकी गोपनीयता से संतुष्ट होने पर उस सूचना को गोपनीय मानेंगे और ऐसी सूचना देने वाले पक्षकार से स्पष्ट प्राधिकार के बिना किसी अन्य पक्षकार को ऐसी किसी सूचना का प्रकटन नहीं करेंगे।

(2) निर्दिष्ट प्राधिकारी गोपनीय अधिकारी पर सूचना प्रस्तुत करने वाले पक्षकारों से उसका अगोपनीय सारांश प्रस्तुत करने के लिए कह सकते हैं और यदि ऐसी सूचना प्रस्तुत करने वाले किसी पक्षकार की राय में उस सूचना का सारांश नहीं हो सकता है तो वह पक्षकार निर्दिष्ट प्राधिकारी को इस बात के कारण संबंधी विवरण प्रस्तुत करेगा कि सारांश करना संभव क्यों नहीं है।

(3) उप नियम (2) में किसी बात के होते हुए भी यदि निर्दिष्ट प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट है कि गोपनीयता का अनुरोध अनावश्यक है या सूचना देने वाला या तो सूचना को सार्वजनिक नहीं करना चाहता है या उसकी सामान्य रूप में या सारांश रूप में प्रकटन नहीं करना चाहता है तो वह ऐसी सूचना पर ध्यान नहीं दे सकते हैं।"

20. घरेलू उद्योग द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना के गोपनीयता के दावों की उनकी पर्याप्तता के संदर्भ में जांच की गई है। प्राधिकारी ने जहां कहीं भी आवश्यक हुआ है, वहां संतुष्ट होने पर गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया है और ऐसी सूचना को गोपनीय माना है तथा उसे सार्वजनिक फाइल में खुला नहीं रखा है, क्योंकि इस संबंध में किसी भी अन्य हितबद्ध पक्षकारों से कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है।

## च. विविध मुद्दे

### घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन

21. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए विविध निवेदन निम्नानुसार हैं:-

(क) विगत 4-5 वर्षों में संबद्ध देश से संबद्ध आयातों की पहुंच कीमत में अत्यधिक गिरावट आई है।

(ख) जैसा कि निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा नोट किया गया था, विगत निर्णायक समीक्षा जांच में निर्धारित रूप में शुल्कों को लागू किए जाने के बाद पाटन-रोधी शुल्क प्रभावी हुए हैं।

(ग) भारतीय बाजार में संबद्ध वस्तुएं बड़ी मात्रा में निरंतर प्रवेश कर रही हैं और ऐसा निरंतर कम कीमतों पर हो रहा है, जिससे पता चलता है कि इस समय लागू पाटन-रोधी शुल्क, घरेलू उद्योग को होने वाली मात्रा और कीमत संबंधी क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त नहीं हैं।

(घ) थ्रेड सील टेप जो कि पीटीएफई का अर्ध-परिष्कृत उत्पाद है, के आयात विवरण को आयात विवरण की प्रवचना की जा रही है क्योंकि आयात विवरण यह दर्शाता है कि समस्त क्षति अवधि के दौरान पीटीएफई की पहुंच कीमतें, थ्रेड सील टेप की पहुंच कीमत से अधिक बनी रही हैं। चूंकि पीटीएफई की लागत को थ्रेड सील टेप में शामिल किया जाता है, इसलिए उसकी पहुंच कीमत का पीटीएफई की पहुंच कीमत से कम होना संभव नहीं है। घरेलू उद्योग ने संबद्ध वस्तुओं के संबंध में पहले प्रवचना याचिका भी दायर की है, लेकिन प्राधिकारियों द्वारा उस पर कार्रवाई शुरू नहीं की है अथवा उसे कार्रवाई के लिए नहीं लिया है।

(ड) वर्तमान संबद्ध वस्तुओं के मामले में प्रत्येक केप्टिव इनपुट का उत्पादन की लागत पर मूल्यांकन किया जाता है। विद्युत, क्लोरीन, क्लोरोफोर्म, एएचएफ, आर-22 और टीएफई सभी केप्टिव इनपुट हैं, जिनका उत्पादन याचिकादाता द्वारा किया जाता है और इन केप्टिव इनपुट को उत्पादन की लागत पर नए उत्पाद में अंतरित किया गया है, इसलिए क्षति रहित कीमत का निर्धारण इन केप्टिव आउटपुट पर 22% प्रतिलाभ को जोड़ कर किए जाने की आवश्यकता है।

(च) किसी भी निर्यातक ने प्राधिकारी द्वारा जारी की गई प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है। इसलिए नियम 6 (8) के अनुसार निर्यातकों को असहयोगी माना जाना चाहिए और प्राधिकारी को उपलब्ध श्रेष्ठ सूचना के अनुसार कार्रवाई करनी चाहिए।

#### **उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदन**

22. संबद्ध देश से किसी भी निर्यातक/उत्पादक, आयातक, उपभोक्ता, प्रयोक्ता, एसोसिएशन ऑफ इंडिया अथवा किसी भी अन्य हितबद्ध पक्षकार ने उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है और इसलिए कोई विविध मुद्दा नहीं है।

#### **प्राधिकारी द्वारा जांच**

23. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उल्लिखित अपस्ट्रीम उत्पाद की नए सिरे से जांच किए जाने की आवश्यकता है और यह इस जांच के कार्य-क्षेत्र के भीतर नहीं आती है। क्षति का निर्धारण करने की प्रक्रिया के अंतर्गत क्षति रहित कीमत के मुद्दे का उपयुक्त तरीके से समाधान किया जाना चाहिए।

#### **छ. सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन**

##### **नियमावली के अंतर्गत सामान्य मूल्य**

24. सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 9क (1) (ग) के अनुसार किसी वस्तु के संबंध में "सामान्य मूल्य" का तात्पर्य है:-

(1) व्यापार की सामान्य प्रक्रिया के समान वस्तु की तुलनीय कीमत जब वह उप नियम (6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित निर्यातक देश या क्षेत्र में खपत के लिए नियत हो, अथवा

(2) जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की बिक्री न हुई हो अथवा जब निर्यातक देश या क्षेत्र की बाजार विशेष की स्थिति अथवा उसके घरेलू बाजार में कम बिक्री मात्रा के कारण ऐसी बिक्री की उचित तुलना न हो सकती हो तो सामान्य मूल्य निम्नलिखित में से कोई एक होगा:

(क) समान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधिक कीमत जब उसका निर्यात उप धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से किया गया हो, अथवा

(ख) उपधारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागत और लाभ के लिए उचित वृद्धि के साथ उदगम वाले देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत:

परंतु यदि उक्त वस्तु का आयात उदगम वाले देश से भिन्न किसी देश से किया गया है और जहां उक्त वस्तु को निर्यात के देश से होकर केवल स्थानांतरण किया गया है अथवा ऐसी वस्तु का उत्पादन निर्यात के देश में नहीं होता है, अथवा निर्यात के देश में कोई तुलनीय कीमत नहीं है, वहां सामान्य मूल्य का निर्धारण उदगम वाले देश में उसकी कीमत के संदर्भ में किया जाएगा।

#### **घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन**

25. घरेलू उद्योग द्वारा अन्य बातों के साथ-साथ किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:

(क) अभिगमन नयाचार का एक प्रावधान 11 अक्टूबर, 2016 को समाप्त हो गया है। निर्दिष्ट प्राधिकारी को चीन के उत्पादकों पर वर्तमान जांच की कार्रवाई नीचे दिए गए कारणों से गैर-अर्थव्यवस्था की दशाओं में प्रचालन कर रहे उत्पादकों के रूप में विचार करते हुए करनी चाहिए।

(ख) वर्तमान मामले में प्राधिकारी द्वारा विचारित जांच अवधि अप्रैल, 2015 से मार्च, 2016 तक (12 महीनों) की है। जबकि क्षति की जांच करने की अवधि, वर्ष 2012-13, 2013-14, 2014-15 और जांच अवधि मानी गई है।

(ग) जांच अवधि का निर्धारण करने का उद्देश्य ऐसी अवधि पर विचार करना है, जिसमें पाटन की मौजूदगी के कारण क्षति होने का दावा किया गया है और जिसे प्रमाणित किया गया है। निर्धारण की तारीख, ऐसे पाटन के विवादास्पद प्रश्न से संबद्ध नहीं है, जिसके कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई है। चूंकि जांच अवधि के आधार पर पाटन के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति प्रमाणित हो चुकी है, इसलिए इस प्रयोजनार्थ केवल जांच अवधि के दौरान प्रचलित दशाओं पर ही विचार किया जाना प्रासंगिक, उपयुक्त और आवश्यक होगा।

(घ) चीन के उत्पादकों को इस कारणवश गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाली कंपनियों के रूप में माना जाना चाहिए कि चीन में लागतें और कीमतें बाजार प्रतिबलों को उचित रूप से प्रतिबिंबित नहीं करती हैं। अनुबंध-1 के पैरा 8 में ऐसे प्राचल विनिश्चित हैं, जिन पर बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा स्वीकृत करने के लिए विचार किया जाना चाहिए। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि जब तक इन दशाओं को संतोष जनक ढंग से पूरा नहीं कर लिया जाता है, तब तक चीन की लागतों और कीमतों को अपनाया नहीं जा सकता है।

(ङ) जांच अवधि के दौरान प्रचलित दशाओं के आधार पर ही बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे पर विचार किया जाता है। चूंकि चीन में लागतों और कीमतों को अस्वीकार करने का कारण अनुबंध-1 के पैरा 8 में सूचीबद्ध कारकों के कारण चीन में लागतों और कीमतों में विकृति का होना है, इसलिए याचिकादाता का यह निवेदन है कि बाजार अर्थव्यवस्था वाली कंपनियों के रूप में चीन के उत्पादकों पर निर्णय लेने के लिए जांच अवधि प्रासंगिक है।

(च) चूंकि चीन की कंपनियों को अनुबंध-3 के पैरा 8 में उल्लिखित कारणों से दिसंबर, 2016 तक बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा नहीं दिया गया है, इसलिए याचिकादाता का निवेदन है कि चीन के उत्पादकों को उस समय तक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाली कंपनियां माना जाना चाहिए जब तक कि जांच में अभिगमन नीति नयाचार में विनिश्चित अवधि को शामिल नहीं कर लिया जाता है।

(छ) नियम 2 (ख) के परिप्रेक्ष्य में यह सुस्थापित कानूनी स्थिति है कि किसी घरेलू उत्पादक के आयात अथवा उसके निर्यातक अथवा आयातक से संबंध होने की जांच, जांच अवधि के प्रसंग में की जाती है। यदि केवल जांच अवधि आधार के प्रयोजनार्थ प्रासंगिक होती है, तो केवल जांच अवधि को ही सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए प्रासंगिक होना चाहिए।

(ज) चीन के उत्पादकों को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के वातावरण में प्रचालन कर रही कंपनियां माना जाना चाहिए और प्राधिकारी अनुबंध-1 के पैरा 7 के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए कार्रवाई कर सकते हैं।

(झ) सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था वाले तृतीय देश की कीमत अथवा संरचित मूल्य के आधार पर इस कारण से नहीं किया जा सकता है कि संबद्ध सूचना सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं है। याचिकादाता ने यह दावा किया है कि भारत में उत्पादन की लागत के आधार पर तय किए गए सामान्य मूल्य को विधिवत् समायोजित किया गया है।

(ञ) चीन से पाटन मार्जिन न केवल अत्यधिक है, बल्कि यह पर्याप्त भी है। इस प्रकार इससे भारत में विचाराधीन उत्पाद के अत्यधिक पाटन होना भी सिद्ध होता है। पाटन-रोधी शुल्क लगे होने के बावजूद भी संपूर्ण वर्तमान क्षति अवधि में चीन के आयात की मात्रा अत्यधिक बनी रही है।

(ट) चीन के उत्पादकों के पास उपलब्ध उत्पादन क्षमताओं और उनके अत्यधिक निर्यातोन्मुखीकरण को ध्यान में रखते हुए पाटन निरंतर जारी रहेगा और पाटन-रोधी शुल्क को समाप्त कर दिए जाने की स्थिति में और भी गहन हो सकता है।

(ठ) चीन के उत्पादकों अथवा उनकी सरकार से कोई उत्तर प्राप्त नहीं होने तथा साथ ही कोई भी अन्य सार्वजनिक सूचना उपलब्ध नहीं होने के कारण चीन में सामान्य मूल्य का निर्धारण, भारत में उत्पादन की लागत के आधार पर उसमें लाभ को विधिवत् समायोजित करके किया जाना है। केप्टिव इनपुट में लाभ को लाभ माने जाने की आवश्यकता है।

(ड) विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन के लिए आवश्यक कच्चा माल केप्टिव होता है और इसलिए उसके मूल्य को सभी केप्टिव इनपुट में शामिल किया जाना चाहिए। चीन के उत्पादकों द्वारा खपत की गई प्रत्येक केप्टिव इनपुट के उत्पादन के संबंध में सीएनवी में उचित लाभ को शामिल किया जाना चाहिए, जो कि केप्टिव कच्चे माल की लागत में मात्र 5% का संवर्धन नहीं है। चूंकि केप्टिव कच्चा माल स्वतः केप्टिव रूप से उत्पादित किया गया है और उत्पादन की एक लंबी श्रृंखला होती है, इसलिए खपत की गई प्रत्येक केप्टिव इनपुट के लिए उचित लाभ जोड़े जाने की आवश्यकता है।

(ढ) पीटीएफई के केप्टिव गहन उत्पाद होने के कारण उसके लिए लागत पर 5% समग्र रूप से अपर्याप्त है। मूल चरण से उत्पादित किए जा रहे उत्पादों के मामले में एनपीपीए द्वारा स्वीकृत प्रतिलाभ की उच्च दर से पिछड़े एकीकृत उद्योग के मामले में भारत सरकार के अधिक प्रतिलाभ स्वीकृत किए जाने के उपागम का पता चलता है।

### हितबद्ध पक्षकारों के विचार

26. पाटन मार्जिन के संबंध में किसी भी आयातक, उपभोक्ता, निर्यातक और अन्य हितबद्ध पक्षकार ने कोई निवेदन नहीं किया है अथवा टिप्पणी प्रस्तुत नहीं की है।

### प्राधिकारी द्वारा जांच

27. प्राधिकारी नोट करते हैं कि किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है और इसलिए सामान्य मूल्य पर चीन को गैर-अर्थव्यवस्था और अभिगमन नयाचार पर निवेदनों का मूल्यांकन करना तुच्छ है। इसलिए प्राधिकारी ने सभी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण, नियम 6 (8) के अनुसार अर्थात् पाटन-रोधी नियमावली की श्रेष्ठ उपलब्ध सूचना के आधार पर किया है, जो कि इस प्रकार से पठित है - "यदि कोई हितबद्ध पक्षकार

उचित अवधि के भीतर आवश्यक सूचना जुटाने से मना करता है अथवा उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराता है या जांच में अत्यधिक बाधा डालता है, तो निर्दिष्ट प्राधिकारी ऐसे पक्षकार को असहयोगी घोषित कर सकते हैं और अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने निष्कर्ष को दर्ज कर सकते हैं और ऐसी परिस्थितियों में वे जैसा भी उचित समझते हैं, केन्द्र सरकार को यथोचित सिफारिशें कर सकते हैं।

### चीन जनवादी गणराज्य के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण

28. तदनुसार संबद्ध वस्तुओं के लिए सामान्य मूल्य की संरचना, प्रमुख कच्चे माल और प्रयोज्यताओं, खरीदे गए कच्चे माल की अंतर्राष्ट्रीय कीमतों और केपिटव रूप से उत्पादित कच्चे माल की कीमतों को ध्यान में रखते हुए की गई है, जिसमें उचित परिवर्तन लागत, ब्याज, एसजीए और उचित लाभ आदि शामिल है।

### निर्यात कीमत का निर्धारण

29. संबद्ध देश से किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने निर्यात कीमत पर कोई सूचना प्रस्तुत नहीं की है। इसलिए प्राधिकारी ने चीन जनवादी गणराज्य के सभी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए भारित औसत निर्यात कीमत का निर्धारण, डीजीसीआईएंडएस के कारोबार-वार आंकड़ों के आधार पर किया है। तदनुसार चीन जनवादी गणराज्य के सभी उत्पादकों/निर्यातकों के संबंध में कारखाना-गत स्तर पर भारित औसत निर्यात कीमत का निर्धारण, सीआईएफ (\*\*\*) डालर/मी.टन), समुद्री भाड़ा (\*\*\*) डालर/मी.टन), बीमा \*\*\*% (\*\*\*) डालर/मी.टन), एफओबी (\*\*\*) डालर/मी.टन), कमीशन\*\*\*% (\*\*\*) डालर/मी.टन), अंतरदेशीय भाड़ा (\*\*\*) डालर/मी.टन), बैंक प्रभार \*\*\*% (\*\*\*) डालर/मी.टन), पत्तन व्यय\*\*\*% (\*\*\*) डालर/मी.टन) और वॉट \*\*\*% (\*\*\*) डालर/मी.टन) के लिए विधिवत समायोजन करने के बाद याचिकादाताओं द्वारा उपलब्ध कराई गई श्रेष्ठ उपलब्ध सूचना के आधार पर किया है, जिसका उल्लेख नीचे पाटन मार्जिन तालिका में किया गया है।

### पाटन मार्जिन का निर्धारण

30. भारत में निर्यात कीमत (प्राधिकारी द्वारा स्वीकृत सभी समायोजनों का निबल) की तुलना संरचित सामान्य मूल्य के साथ की गई है, ताकि संबद्ध देश से सभी निर्यातकों/उत्पादकों के लिए जांच अवधि के दौरान पाटन मार्जिन का निर्धारण किया जा सके, जैसा कि नीचे तालिका में उल्लेख किया गया है।

विवरण	यूनिट	मूल्य
संरचित सामान्य मूल्य	अमरीकी डालर/मी.टन	***
निर्यात कीमत (कारखानागत)	अमरीकी डालर/मी.टन	***
पाटन का मार्जिन	अमरीकी डालर/मी.टन	***
	%	***
	सीमा %	40-50

ज. क्षति, कारणात्मक संबंध और क्षति के निरंतर जारी रहने की संभावना का मूल्यांकन

(1) क्षति का निर्धारण करने और क्षति और कारणात्मक संबंध की जांच करने की कार्य-प्रणाली

### अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

31. क्षति और कारणात्मक संबंध के बारे में किसी भी आयातक, उपभोक्ता, निर्यातक और अन्य हितबद्ध पक्षकार ने कोई निवेदन नहीं किया है और कोई टिप्पणी प्रस्तुत नहीं की है।

### घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन

32. इस संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:

(क) समग्र क्षति अवधि में विचाराधीन उत्पाद की बढी है, जबकि जांच अवधि में उसमें गिरावट आई है।

(ख) पाटन-रोधी शुल्क लागू होने के बावजूद भी संबद्ध देश से आयात अभी भी निरंतर हो रहे हैं और समग्र क्षति अवधि के दौरान ये पूर्णरूपेण और सापेक्षिक दोनों रूप से अत्यधिक हो रहे हैं तथा ये पाटित कीमतों पर हो रहे हैं।

(ग) आयातों की पहुंच कीमत न केवल घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से नीचे हैं, बल्कि यह घरेलू उद्योग की बिक्रियों की लागत और क्षति रहित कीमत से भी कम हैं और इस प्रकार इसके फलस्वरूप सार्थक कीमत कटौती हो रही है। यह प्रचलित पाटन-रोधी शुल्कों के बिना भी सार्थक है।

(घ) पाटित आयात न केवल कीमत ह्रास और कीमत न्यूनीकरण कर रहे हैं, बल्कि साथ ही ये घरेलू कीमतों को भी अत्यधिक स्तर पर कम कर रहे हैं।

(ङ) जांच अवधि में पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन दोनों सार्थक हैं और अत्यधिक हैं।

(च) घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन ने क्षमता और घरेलू बिक्री के रूप में सुधार दर्शाया है। जबकि वर्ष 2014-15 तक उत्पादन में वृद्धि हुई है और उसके बाद जांच अवधि में उसमें गिरावट आई है तथा क्षमता उपयोग ने भी उसी प्रवृत्ति का अनुसरण किया है।

(छ) इसके अतिरिक्त लाभप्रदता में उतार-चढ़ाव होता रहा है और घरेलू उद्योग को जांच अवधि में वित्तीय घाटे हुए हैं। नियोजित पूंजी पर प्रतिलाभ ने भी लगभग लाभ की प्रवृत्ति का अनुसरण किया है। इस अवधि में नकद लाभ भी गिरावट आई है।

(ज) क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग में रोजगार में गिरावट आई है। भुगताए गए वेतन ने भी यही प्रवृत्ति दर्शाई है।

(झ) जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के पास माल सूचियां वही बनी रही हैं, जो कि आधार वर्ष में थीं।

(ञ) घरेलू उद्योग की संवृद्धि में गिरावट आई है।

(ट) घरेलू उद्योग की ऐसी स्थिति को देखते हुए जिसमें उत्पाद, पाटन के कारण अच्छा निष्पादन नहीं कर रहा है और जब कि नया निवेश पहले से ही किया गया है और वह पर्याप्त प्रतिलाभ नहीं प्राप्त कर रहा है, इसलिए इसमें और नया निवेश नहीं किया जा सकता है।

(ठ) संबद्ध देश से पाटन न केवल न्यूनतम से अधिक है, बल्कि यह पर्याप्त भी है। घरेलू उद्योग पर पाटन का अत्यधिक प्रभाव पड़ा है। वास्तव में पाटन धीरे-धीरे गहन होता जा रहा है।

(ड) क्षति मार्जिन बहुत अधिक है। घरेलू उद्योग पर क्षति का प्रभाव अत्यधिक है।

(ढ) घरेलू उद्योग से संबंधित प्राचल समग्र और संचयी रूप से यह प्रमाणित करते हैं कि घरेलू उद्योग को क्षति हुई है।

### **प्राधिकारी द्वारा जांच**

33. प्राधिकारी ने नीचे दिए गए अनुसार घरेलू उद्योग के विभिन्न प्रासंगिक निवेदनों का समाधान किया है:-

(क) प्राधिकारी ने जांच की अवधि में क्षति का मूल्यांकन किया है और साथ ही संबद्ध देश से आयातों के कारण होने वाली क्षति की संभावना की भी जांच उपयुक्त रूप से जांच की है।

(ख) अनुबंध-II के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली के नियम-11 में किसी क्षति के निर्धारण में यह उपबंध है कि किसी क्षति जांच में "...पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर उनके प्रभाव और ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव सहित सभी संगत कारकों को ध्यान में रखते हुए ..." ऐसे कारकों की जांच शामिल होगी जिनसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति का पता चल सकता हो। कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय इस बात पर विचार करना आवश्यक है कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से की कीमतों में अन्यथा अत्यधिक गिरावट आई है या कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रूकावट आई है, जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती।"

(ग) डब्ल्यूटीओ करार के अनुच्छेद 3.1 और नियमावली के अनुबंध-II में इन दोनों की वस्तुनिष्ठ जांच की व्यवस्था है, (क) पाटित आयातों की मात्रा और समान उत्पाद के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों का प्रभाव; और (ख) ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों का परिणामी प्रभाव। पाटित आयातों के मात्रात्मक प्रभाव के संबंध में प्राधिकारी के लिए इस बात की जांच करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप से अथवा भारत में उत्पादन या खपत की दृष्टि से भारी वृद्धि हुई है। पाटित आयातों के कीमत प्रभाव के संबंध में प्राधिकारी के लिए इस बात की जांच करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान उत्पादों की कीमतों की तुलना में भारी कीमत कटौती की गई है अथवा क्या ऐसे आयातों का प्रभाव अन्यथा कीमतों में महत्वपूर्ण स्तर तक कमी करना है या ऐसा कीमत वृद्धि को रोकना है जो अन्यथा काफी मात्रा में बढ़ गई होती।

(घ) जहां तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, पाटन-रोधी नियमावली के अनुबंध-2 के पैरा (4) में निम्नानुसार उल्लेख है:

"संबंधित घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर आय या क्षमता उपयोग में स्वाभाविक और संभावित गिरावट सहित उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले सभी संगत आर्थिक कारकों और संकेतकों, घरेलू कीमतों, पाटन मार्जिन की मात्रा, नकद प्रवाह पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक

प्रभाव, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता को प्रभावित करने वाले कारकों का मूल्यांकन शामिल होगा।"

(ड) सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 9 (क) (5) के अनुसार लागू किए गए पाटन-रोधी शुल्क को जब तक पहले रद्द नहीं किया जाता है, तब तक उसको लागू किए जाने की तारीख से पांच वर्षों के समाप्त होने पर प्रभावी नहीं होगा, बशर्ते कि केन्द्रीय सरकार का पुनरीक्षा में यह विचार बनता है कि ऐसे शुल्क को समाप्त कर दिए जाने के फलस्वरूप पाटन के निरंतर जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है, तो वह समय-समय पर ऐसे शुल्क को लागू किए जाने की अवधि को आगे पांच वर्ष तक के लिए बढ़ा सकती है और ऐसी बड़ी हुई अवधि, ऐसा विस्तार किए जाने के आदेश की तारीख से शुरू होगी।

(च) भारत में घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए उपरोक्त नियमावली के अनुबंध-2 के अनुसार उद्योग की स्थिति को प्रभावित करने वाले उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्रियों की मात्रा, स्टॉक, लाभप्रदता, बिक्रियों की निबल वसूली, पाटन की मात्रा और मार्जिन आदि जैसे सूचकों पर विचार किया गया है।

(छ) वर्तमान जांच लागू किए गए पाटन-रोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा जांच है। नियम 23 में यह प्रावधान है कि नियम 11 के प्रावधान पुनरीक्षा के मामले में भी यथावश्यक संशोधन सहित लागू होंगे। इसलिए प्राधिकारी ने अनुबंध-II के साथ पठित नियम 11 के प्रावधानों में यथावश्यक संशोधन सहित घरेलू उद्योग को हुई क्षति का निर्धारण किया है। प्राधिकारी ने इसकी जांच की है कि क्या पाटन-रोधी उपाय की सीमा जो कि पर्याप्त है, ऐसे पाटन को दूर करेंगे जिसके कारण क्षति हो रही है।

(ज) वर्तमान क्षति विश्लेषण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग पर संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों की मात्रा और कीमत के प्रभाव तथा कीमतों और लाभप्रदता पर पड़ने वाले प्रभाव की जांच की है, ताकि क्षति के विद्यमान होने तथा पाटन और क्षति के बीच यदि कोई संबंध है, तो उसकी जांच की जा सके। प्राधिकारी ने मेसर्स गुजरात फ्लोरोकैमिकल्स लिमिटेड से संबंधित सूचना को ध्यान में रखते हुए घरेलू उद्योग को हुई क्षति की जांच की है। तदनुसार पाटित आयातों की मात्रा और उसके कीमत संबंधी प्रभाव की जांच निम्नानुसार है।

#### 1) पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव

##### क) मांग का मूल्यांकन/प्रत्यक्ष खपत

34. भारत में उत्पाद की मांग और प्रत्यक्ष खपत पर घरेलू बिक्रियों और सभी स्रोतों से आयातों के योगफल के रूप में विचार किया गया है। इस प्रकार से मूल्यांकित की गई मांग नीचे तालिका में दी गई है:

विवरण	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	जांच अवधि
घरेलू उद्योग की बिक्रियां	मी.टन	***	***	***	***
अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्रियां	मी.टन	***	***	***	***
संबद्ध देश - चीन जनवादी गणराज्य से आयात	मी.टन	897	1,171	1,051	702
पाटन-रोधी शुल्क लगाए जाने वाले अन्य देश - रूस से आयात	मी.टन	7	104	244	187
अन्य देशों से आयात	मी.टन	1,080	976	795	1,057
कुल मांग	मी.टन	***	***	***	***

35. प्राधिकारी का यह मानना है कि उपरोक्त से ऐसा पता चलता है कि विचाराधीन उत्पाद की मांग में, जांच अवधि में मामूली गिरावट आने को छोड़ कर, लेकिन जो आधार वर्ष से अधिक थी, समस्त क्षति अवधि के दौरान में वृद्धि हुई है।

##### ख) आयात की मात्रा और बाजार का हिस्सा

36. पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में प्राधिकारी को इस पर विचार करने की आवश्यकता होती है कि क्या पूर्णरूपेण अथवा भारत में उत्पादन अथवा खपत के संबंध में पाटित आयातों में विशेष वृद्धि हुई है। पाटन-रोधी नियमावली के अनुबंध-2 (2) में उल्लिखित प्रावधान यह है कि-

"पाटित आयातों की मात्रा की जांच करते समय प्राधिकारी इस बात पर विचार करेंगे कि पूर्णरूपेण अथवा भारत में उत्पादन अथवा खपत के संबंध में पाटित आयातों में विशेष वृद्धि हुई है।"

37. डीजीसीआईएंडएस द्वारा प्रदान किए गए कारोबार-वार आंकड़ों को ध्यान में रखते हुए क्षति अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद के आयातों की मात्रा का मूल्यांकन किया गया है, जो कि निम्नानुसार है:-

विवरण	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	जांच अवधि
<b>आयात की मात्रा</b>					
चीन जनवादी गणराज्य - संबद्ध देश	मी. टन	897	1,171	1,051	702
ऐसा अन्य देश जिस पर पाटन-रोधी शुल्क लगाया जाना है - रूस	मी. टन	7	104	244	187
अन्य देश	मी. टन	1,080	976	795	1,057
<b>कुल आयात की मात्रा</b>	<b>मी. टन</b>	<b>1,983</b>	<b>2,251</b>	<b>2,089</b>	<b>1,945</b>
<b>आयात की मात्रा में बाजार का हिस्सा</b>					
चीन जनवादी गणराज्य - संबद्ध देश	%	45.20	52.01	50.31	36.07
ऐसा अन्य देश जिस पर पाटन-रोधी शुल्क लगाया जाना है - रूस	%	0.34	4.62	11.66	9.62
अन्य देश	%	54.45	43.37	38.03	54.31
<b>संबद्ध देशों से आयात</b>					
कुल आयातों के संबंध में	%	45.20	52.01	50.31	36.07
भारतीय खपत के संबंध में	%	***	***	***	***
भारतीय उत्पादन के संबंध में	%	***	***	***	***

38. वर्ष 2013-14 तक संबद्ध देश से विचाराधीन उत्पाद के आयातों में वृद्धि हुई है और उसके बाद उसमें गिरावट आई है, लेकिन फिर भी क्षति अवधि के दौरान ऐसे आयात पूर्णरूपेण अथवा भारत में उत्पादन और खपत के संबंध में अत्यधिक बने रहे हैं। परिस्थितियों से पता चलता है कि पाटन-रोधी शुल्क को समाप्त कर दिए जाने पर आयातों के बाजार के हिस्से में अत्यधिक वृद्धि हो सकती है।

#### ग) मांग में बाजार का हिस्सा

39. प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति अवधि के दौरान भारतीय मांग में घरेलू उद्योग के बाजार के हिस्से में वृद्धि हुई थी, जो कि वर्ष 2012-13 में 44.48% से बढ़ कर, जांच अवधि में 53.86% हो गया था। वर्ष 2013-14 तक चीन से आयातों के बाजार के हिस्से में वृद्धि हुई है और उसके बाद उसमें गिरावट आई है, लेकिन फिर भी ये अत्यधिक थे।

विवरण	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	जांच अवधि
घरेलू उद्योग का हिस्सा	%	***	***	***	***
अन्य भारतीय उत्पादकों का हिस्सा	%	***	***	***	***
संबद्ध देश - चीन का हिस्सा	%	23.28	27.32	22.20	16.25
पाटन-रोधी शुल्क लगाए जाने वाले अन्य देश-रूस का हिस्सा	%	0.18	2.43	5.15	4.34
अन्य देशों का हिस्सा	%	28.05	22.78	16.79	24.47



## 2) पाटित आयातों के कीमत प्रभाव

40. कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में प्राधिकारी को इस पर विचार करने की आवश्यकता होती है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत के साथ तुलना करने पर पाटित आयातों द्वारा अत्यधिक कीमत कटौती की जा रही है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव अन्यथा कीमतों की अत्यधिक स्तर पर कटौती करते हैं अथवा कीमतों में होने वाली वृद्धि को रोकते हैं, जो कि अन्यथा अत्यधिक स्तर पर हो गई होती। इस संबंध में उत्पाद के पहुंच मूल्य और घरेलू उद्योग की औसत बिक्री कीमत के बीच तुलना की गई है, जो कि व्यापार के समान स्तर पर सभी छूटों और करों का निबल है। कारखाना-गत स्तर पर निर्धारित की गई घरेलू उद्योग की कीमतों की तुलना, पाटित आयातों के पहुंच मूल्य के साथ की गई है।

### क) कीमत में कटौती

41. जांच अवधि के दौरान भारत में संबद्ध वस्तुओं की घरेलू बिक्री कीमत के साथ आयातों की पहुंच कीमत की तुलना करके कीमत कटौती का मूल्यांकन किया गया है, जो कि निम्नानुसार है:-

विवरण	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	जांच अवधि
पाटन-रोधी शुल्क रहित पहुंच मूल्य	रूपए/किग्रा	633.01	517.57	493.72	441.39
निबल बिक्री कीमत	रूपए/किग्रा	***	***	***	***
पाटन-रोधी शुल्क रहित कीमत कटौती	रूपए/किग्रा	***	***	***	***
	%	***	***	***	***
	% सीमा	0-10	5-15	5-15	10-20

42. प्राधिकारी का यह मानना है कि समस्त क्षति अवधि के दौरान पाटन-रोधी रहित आयातों की पहुंच कीमत, घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से कम रही है, जिसके फलस्वरूप सार्थक कीमत कटौती हुई है। इससे यह भी पता चलता है कि यदि पाटन-रोधी शुल्क को समाप्त कर दिया जाता है, तो इसके फलस्वरूप निरंतर अत्यधिक कीमत कटौती होगी।

### ख) कीमत ह्रास और न्यूनीकरण

43. पाटित आयातों के कीमत ह्रास और न्यूनीकरण के प्रभाव की जांच भी बिक्रियों की लागत के संदर्भ में जांच अवधि सहित क्षति अवधि के दौरान संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के पहुंच मूल्य और निबी बिक्री वसूली के साथ तुलना करके की गई है, जो कि निम्नानुसार है:-

विवरण	यूनिट	2012-13	2013-14	2013-14	जांच अवधि
बिक्रियों की लागत	रूपए/किग्रा	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	108	104	111
बिक्री कीमत	रूपए/किग्रा	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	83	80	76
पहुंच मूल्य	रूपए/किग्रा	633	518	494	441
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	82	78	70

44. प्राधिकारी नोट करते हैं कि समग्र क्षति अवधि के दौरान आयातों की पहुंच कीमत में निरंतर गिरावट हुई है। घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में भी पहुंच मूल्य के समनुरूप निरंतर गिरावट आई है। इसलिए घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत मन्द बनी रही है।

45. प्राधिकारी आगे यह भी नोट करते हैं कि आयातों के फलस्वरूप बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में ह्रास होने के साथ-साथ इनका न्यूनीकरण भी हुआ है। हालांकि क्षति अवधि के दौरान उत्पादन की लागत में वृद्धि हुई है, फिर भी बिक्री कीमत को बढ़ने से रोका गया है।

### 3) घरेलू उद्योग से संबंधित आर्थिक प्राचलों की जांच

46. पाटन-रोधी नियमावली के अनुबंध-2 में ऐसी अपेक्षा है कि क्षति का निर्धारण करने में ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव की सार्थक जांच करना निहित होगा। इसके अतिरिक्त नियमावली में यह भी प्रावधान है कि घरेलू उद्योग पर पाटन आयातों के प्रभाव की जांच में सभी संबद्ध आर्थिक कारकों और ऐसे सूचकों का जिनसे घरेलू उद्योग की स्थिति पर प्रभाव पड़ता है, की सार्थक और पक्षपात रहित मूल्यांकन करना शामिल होगा। साथ ही इनमें बिक्रियों, लाभ, आउटपुट, बाजार के हिस्से, उत्पादकता, नियोजित पूंजी पर प्रतिलाभ अथवा क्षमता उपयोग में वास्तविक और संभावित गिरावट आना तथा घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारकों, पाटन मर्जिन की मात्रा, नकदी प्रवाह, माल सूचियों, रोजगार, वेतन, संवृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव में वास्तविक और संभावित गिरावट आना भी शामिल है।

#### क) उत्पादन, क्षमता, क्षमता उपयोग और बिक्रियां

47. उत्पादन, क्षमता, क्षमता उपयोग और बिक्रियों के संबंध में घरेलू उद्योग का कार्य-निष्पादन निम्नानुसार है:-

विवरण	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	जांच अवधि
क्षमता (टीईएफ के रूप में)	मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	135	154	206
उत्पादन (टीईएफ)	मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	114	158	149
क्षमता उपयोग (टीईएफ)	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	85	102	72
घरेलू बिक्रियां	मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	108	148	181

48. उपरोक्त से प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्ष 2014-15 तक घरेलू उद्योग की क्षमता और उसके उत्पादन में वृद्धि हुई है, लेकिन उसके बाद जांच अवधि में उनमें गिरावट आई है। इसके अतिरिक्त आधार वर्ष के साथ-साथ विगत वर्ष के संबंध में घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग में भी अत्यधिक गिरावट आई है। यह भी नोट किया जाता है कि वर्ष 2014-15 तक याचिकादाता की घरेलू बिक्रियों में वृद्धि हुई है।

#### ख) कुल भारतीय मांग में बाजार का हिस्सा

49. प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के बाजार के हिस्से में वृद्धि हुई है, जब कि वर्ष 2013-14 में उसमें मामूली गिरावट आई है। वर्ष 2013-14 तक चीन के आयातों के बाजार के हिस्से में वृद्धि हुई है और उसके बाद उसमें गिरावट आई है, लेकिन यह अत्यधिक थी। तथापि, यह नोट करना आवश्यक है कि यह ऐसी स्थिति थी जिसमें पाटन-रोधी शुल्क विद्यमान था। प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटन-रोधी शुल्क को समाप्त कर दिए जाने पर यह स्थिति और भी बदतर हो सकती है।

विवरण	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	जांच अवधि
घरेलू उद्योग का हिस्सा	%	***	***	***	***
अन्य भारतीय उत्पादकों का हिस्सा	%	***	***	***	***
संबद्ध देश चीन जनवादी गणराज्य का हिस्सा	%	23.28	27.32	22.20	16.25
पाटन-रोधी शुल्क लगाए जाने वाले अन्य देश - रूस का हिस्सा	%	0.18	2.43	5.15	4.34
अन्य देशों का हिस्सा	%	28.05	22.78	16.79	24.47

**ग) लाभ, निवेश पर प्रतिलाभ और नकदी प्रवाह**

50. उपरोक्त प्राचलों के संबंध में घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन का संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है:-

विवरण	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	जांच अवधि
लाभ/हानि	रूपए/किग्रा	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	7	9	-27
लाभ/हानि	लाख रूपए	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	8	14	-49
नकदी लाभ	लाख रूपए	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	19	26	-21
नियोजित पूंजी पर प्रतिलाभ	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	15	14	-29

51. प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्ष 2013-14 के दौरान विचाराधीन उत्पाद की लाभप्रदता में अत्यधिक गिरावट आई है और उसके बाद वर्ष 2014-15 में उसमें मामूली वृद्धि हुई है, लेकिन यह आधार वर्ष की तुलना में अभी भी कम थी। जांच अवधि के दौरान भी लाभप्रदता में गिरावट आई है जिसके फलस्वरूप वित्तीय घाटे हुए हैं। यह भी नोट किया जाता है कि निवेश पर प्रतिलाभ और नकदी लाभ में भी लगभग वही प्रवृत्ति रही है, जो कि लाभ की है। इस अवधि के दौरान निवेश पर प्रतिलाभ और नकदी लाभ में भी गिरावट आई है और यह जांच अवधि में नकारात्मक रहा है।

**घ) मालसूचियां**

52. प्राधिकारी नीचे दी गई तालिका से यह नोट करते हैं कि आधार वर्ष की तुलना में घरेलू उद्योग की माल सूचियों में मामूली वृद्धि हुई है।

विवरण	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	जांच अवधि
औसत स्टॉक	मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	94	102	101

**ङ) रोजगार, उत्पादकता और वेतन**

53. प्राधिकारी नीचे दी गई तालिका से यह नोट करते हैं कि क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग में रोजगार में गिरावट आई है, जब कि वर्ष 2013-14 में वेतन में अत्यधिक गिरावट आई है, लेकिन बाद में उसमें वृद्धि हुई है। जांच अवधि में लाभप्रदता में वृद्धि हुई है।

विवरण	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	जांच अवधि
रोजगार	संख्या	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	83	83	91
वेतन और मजदूरियां	लाख रूपए	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	33	68	111

**च) संवृद्धि**

54. विभिन्न प्राचलों की संवृद्धि के संबंध में सूचना निम्नानुसार है:-

संवृद्धि	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	जांच अवधि
उत्पादन में	%	-	***	***	***
घरेलू बिक्रियों की मात्रा में	%	-	***	***	***
घरेलू बिक्री कीमत में	%	-	***	***	***
घरेलू बिक्रियों की लागत में	%	-	***	***	***
औसत स्टॉक में	%	-	***	***	***

55. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की संवृद्धि में गिरावट आई है।

**छ) पूंजीगत निवेश जुटाने की क्षमता**

56. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटन के कारण घरेलू उद्योग का कार्य-निष्पादन कुप्रभावित हुआ है और जब कि नया निवेश पहले से ही किया गया है और वह पर्याप्त प्रतिलाभ सृजित नहीं कर रहा है, इसलिए भविष्य में नए निवेश की परिकल्पना नहीं की जा सकती है।

**ज) पाटन का स्तर और मार्जिन**

57. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देश से पाटन मार्जिन न केवल न्यूनतम से अधिक है, बल्कि यह पर्याप्त भी है।

**II. कारणात्मक संबंध**

58. पाटन-रोधी नियमावली के अनुसार प्राधिकारी को अन्य बातों के साथ-साथ पाटित आयातों से भिन्न किसी ऐसे अन्य ज्ञात कारक की भी जांच करने की आवश्यकता है, जिसके कारण घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है, ताकि ऐसे अन्य कारकों के कारण होने वाली क्षति के लिए पाटित आयातों को जिम्मेदार नहीं ठहराया जाए। इस संबंध में जो कारक प्रासंगिक हो सकते हैं उनमें अन्य बातों के साथ-साथ पाटित कीमतों पर नहीं बेचे गए आयातों की मात्रा और कीमतें, मांग में संकुचन अथवा खपत के पैटर्न में परिवर्तन, प्रतिबंधित व्यापारिक पद्धतियां तथा विदेशी और घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा, प्रौद्योगिकी में विकास और निर्यात निष्पादन तथा घरेलू उद्योग की उत्पादकता शामिल है। इसकी जांच की गई है कि क्या नियमावली में सूचीबद्ध किए गए ये अन्य प्राचल घरेलू उद्योग की क्षति के लिए जिम्मेदार हो सकते हैं।

**क) खपत के पैटर्न में परिवर्तन**

59. विचाराधीन उत्पाद के संबंध में खपत के पैटर्न में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। तथापि, याचिकादाता ने यह तर्क दिया है कि उपभोक्ताओं ने संसाधित उत्पाद का आयात करना शुरू कर दिया है, जिसने देश में उत्पाद की कुछ मांग को समाप्त कर दिया है।

**ख) प्रतिबंधित व्यापारिक पद्धतियां तथा विदेशी और घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा**

60. ऐसी कोई प्रतिबंधित व्यापारिक पद्धति नहीं है जिसके कारण घरेलू उद्योग को कोई क्षति हो सकती है।

**ग) प्रौद्योगिकी में विकास**

61. उत्पाद के उत्पादन की प्रौद्योगिकी में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है और इसलिए प्रौद्योगिकी में विकास क्षति होने का कोई कारक नहीं है।

**घ) निर्यात निष्पादन**

62. घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण घरेलू प्रचालन है। याचिकाकर्ता ने घरेलू बिक्रियों के लिए लागत निर्धारण और क्षति की सूचना पृथक रूप से प्रदान की है, जिसका उचित रूप से विश्लेषण किया गया है। इसलिए घरेलू बिक्रियों पर घरेलू उद्योग को हुई क्षति को पृथक रूप से अलग कर दिया गया है और यह नोट किया जाता है कि इसके लिए निर्यात को जिम्मेदार नहीं माना जा सकता है।

**ङ) घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित और बेचे गए अन्य उत्पादों का निष्पादन**

63. इस याचिका में प्रदान की गई सूचना केवल संबद्ध वस्तुओं के बारे में ही है।

**क्षति की मात्रा और क्षति मार्जिन**

64. प्राधिकारी द्वारा पाटन-रोधी नियमावली के अनुबंध-3 के अनुसार यथा निर्धारित घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं की क्षति-रहित कीमत की तुलना जांच अवधि के दौरान क्षति मार्जिन का निर्धारण करने के लिए संबद्ध देश से निर्यातों के पहुंच मूल्य के साथ की गई है और इस प्रकार से तय किया गया क्षति मार्जिन निम्नानुसार है:-

विवरण	यूनिट	जांच अवधि
क्षति रहित कीमत	अमरीकी डालर/मी.टन	***
पहुंच मूल्य	अमरीकी डालर/मी.टन	6697
क्षति मार्जिन	अमरीकी डालर/मी.टन	***
क्षति मार्जिन	%	***
क्षति मार्जिन	% सीमा	65-75

65. उपरोक्त से प्राधिकारी का यह मानना है कि जांच अवधि के दौरान चीन से सभी उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा विनिर्मित संबद्ध वस्तुओं के ग्रेड के विचाराधीन उत्पाद के आयातों के संबंध में क्षति मार्जिन सकारात्मक है।

**आर्थिक क्षति**

66. संबद्ध देश से आयातों में वृद्धि हुई है और ये पाटन-रोधी शुल्क के लागू होने के बावजूद पूर्णरूपेण और भारत में उत्पादन/खपत के संबंध में सुस्पष्ट बने हुए हैं। आयातों की पहुंच कीमत न केवल घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से कम है, बल्कि यह घरेलू उद्योग की बिक्रियों की लागत और क्षति रहित कीमत से भी कम है। आयात बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती कर रहे हैं। आयात बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में ह्रास और न्यूनीकरण कर रहे हैं। अनेक वर्षों से आयात कीमतों में गिरावट हो रही है और इसके फलस्वरूप आधार वर्ष की तुलना में लाभ, निवेशों पर प्रतिलाभ और नकदी लाभ के रूप में घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन में गिरावट आई है।

**घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन**

67. घरेलू उद्योग द्वारा पाटन और क्षति के निरंतर जारी रहने अथवा उनकी पुनरावृत्ति होने की संभावना के बारे में किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-

(क) पाटन की संभावना से संबद्ध कारक क्षति की संभावना के साथ-साथ वर्तमान मामले से संबद्ध हैं और उन पर विश्वास किया जाता है।

(ख) संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के संबंध में की गई विगत सभी तीन जांच में अत्यधिक पाटन प्रमाणित हो गया है। विगत जांच में निर्धारित पाटन मार्जिन अत्यधिक था। वर्तमान जांच अवधि में भी यह पर्याप्त है। इससे यह स्पष्ट प्रमाणित होता है कि पाटन-रोधी शुल्क को समाप्त कर दिए जाने की स्थिति में पाटन के निरंतर जारी रहने की संभावना है।

(ग) पाटन-रोधी शुल्क लागू होने के बावजूद भी घरेलू बाजार में किए गए आयात पाटित कीमतों पर किए गए हैं।

(घ) विगत बारह वर्षों से आयात की मात्रा अत्यधिक है और इस प्रकार ऐसा विश्वास करने का कोई कारण नहीं है कि पाटन-रोधी शुल्क को समाप्त कर दिए जाने की स्थिति में आयात की मात्रा में गिरावट आएगी।

(ङ) संबद्ध देश में कंपनियों ने पीटीएफई के उत्पादन की क्षमता को 61% तक बढ़ा दिया है जो कि लगभग 1 लाख मी. टन के स्तर पर पहुंच गई है और उनका उत्पादन 80% तक बढ़ गया है।

(च) तृतीय देश को चीन से निर्यातों के मामले में पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन दोनों नकारात्मक हैं।

(छ) वर्तमान जांच की अवधि में पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन दोनों संबद्ध देश के मामले में सकारात्मक और अधिक हैं।

(ज) प्रचलित पाटन-रोधी शुल्कों के बिना कीमत कटौती सकारात्मक है।

(झ) भारतीय बाजार अत्यधिक कीमत संवेदी है। उपभोक्ता अपनी अधिप्राप्ति का निर्णय लेने के लिए कीमत को अत्यधिक महत्ता देते हैं। ऐसी स्थिति में बाजार में संबद्ध देश से ऐसी कम कीमत पर आयातों के कारण निश्चित रूप से घरेलू उद्योग पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसकी आगे संपुष्टि संबद्ध देश द्वारा दीर्घकालिक पाटन पद्धति से होती है।

(ज) वास्तविक रूप से आयात की कीमतें, घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से कम हैं। इसलिए उपभोक्ता पाटन-रोधी शुल्क को समाप्त कर दिए जाने की स्थिति में आयातित उत्पाद की ओर प्रवृत्त हो सकते हैं, जिसके फलस्वरूप उत्पाद के आयातों में वृद्धि हो सकती है।

(ट) जिन कीमतों पर संबद्ध वस्तुओं के आयात किए जा रहे हैं, वे घरेलू बाजार में बेची जा रही वस्तुओं की कीमत से पर्याप्त रूप से कम हैं। इसलिए पाटन-रोधी शुल्क को समाप्त कर दिए जाने की स्थिति में निर्यातक अपने उत्पादन को भारतीय बाजार में और सरणीबद्ध करने लगेंगे क्योंकि उनके पास पहले से ही अत्यधिक क्षमताएं विद्यमान हैं और वास्तव में वे तृतीय देशों को संबद्ध वस्तुओं को पर्याप्त रूप से कम कीमतों पर बेच रहे हैं।

### निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदन

68. इस संबंध में किसी भी उत्पादक/निर्यातक/आयातक/अन्य हितबद्ध पक्षकार द्वारा कोई निवेदन नहीं किया गया है।

### प्रकटन पश्चात टिप्पणियां

घरेलू उद्योग द्वारा प्रकटन पश्चात की गई टिप्पणियां निम्नानुसार हैं:

(क) क्षति रहित कीमत प्रमाणित करने के लिए उत्पादन की प्रति यूनिट लागत का निर्धारण करने में अत्यधिक परिवर्तन किए गए हैं और केप्टिव विद्युत के उत्पादन की लागत में 22% की दर से प्रतिलाभ को जोड़े जाने की आवश्यकता है।

(ख) प्राधिकारी से अनुरोध है कि वे बृहत् आर्थिक स्थिति पर विचार करते समय विद्युत संयंत्र की लागत और निवेश पर विचार करें क्योंकि कंपनी ने अपनी खपत के लिए विद्युत संयंत्र स्थापित किया है।

(ग) कंपनी द्वारा अनुपालन की जा रही लेखाकरण पद्धति और कंपनी की सांविधिक/विनियामक आवश्यकताओं/दायित्वों के बीच व्याप्त अंतर पर विचार किए जाने की आवश्यकता है क्योंकि कंपनी लेखा बहियों में वाईड विद्युत के किसी अन्य मूल्य को अपनाए जाने के लिए स्वतंत्र नहीं है।

(घ) केप्टिव इनपुट के उत्पादन की लागत को सामान्य बनाना एनआईपी विधि के समनुरूप नहीं है और विचाराधीन उत्पाद को स्वतः अनुकूलतम बनाया जाना है और यह उसका मध्यवर्ती नहीं है।

(ङ) पैकेजिंग सामग्री (द्वितीयक) व्यय की श्रेणी में आती है और इस प्रकार अनुबंध-3 के पैरा 4 (4) के अनुसार एनआईपी का परिकलन करते समय इस पर विचार किया जाना चाहिए।

(च) वर्तमान जांच में प्रमाणित पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन के अनुसार पाटन-रोधी शुल्क लगाए जाने की आवश्यकता है।

(छ) शुल्क निर्धारित मात्रा में संयुक्त राज्य अमरीकी डालर/किलोग्राम में लागू किए जाने चाहिए।

(ज) शुल्क संयुक्त राज्य अमरीकी डालरों में लागू किए जाने की आवश्यकता है।

### प्राधिकारी द्वारा जांच

69. प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्तमान जांच चीन से संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर लगाए गए पाटन-रोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा जांच है। नियमावली के अनुसार प्राधिकारी को यह निर्धारित करने की आवश्यकता है कि क्या क्या पाटन-रोधी शुल्क को निरंतर जारी रखने की आवश्यकता है। इसके अतिरिक्त प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि वर्तमान जांच में चीन से संबद्ध वस्तुओं का निरंतर पाटन हो रहा है जिसके कारण घरेलू उद्योग को निरंतर क्षति हो रही है, जिससे संबद्ध देश से पाटन और क्षति होने की संभावना का पता चलता है।

70. निम्नलिखित विश्लेषण दर्शाता है कि पाटन-रोधी शुल्कों को समाप्त कर दिए जाने की स्थिति में निरंतर पाटन होने और उससे घरेलू उद्योग को क्षति होने की संभावना है।

#### **i. विगत जांच में निर्धारित मार्जिन**

71. विगत जांच में प्राधिकारी द्वारा निर्धारित और अब मूल्यांकित किए गए पाटन मार्जिन पर विचार करने से यह स्पष्ट पता चलता है कि पाटन-रोधी उपाय लागू किए जाने के बावजूद पाटित कीमतों पर निरंतर निर्यात किए गए हैं और पाटन-रोधी शुल्क को समाप्त किए जाने की स्थिति में उनके निरंतर जारी रहने की संभावना है। पाटन-रोधी शुल्क लागू होने के बाद भी पाटित आयातों की मात्रा अत्यधिक बनी रही है। क्षति अवधि के दौरान अत्यधिक कीमत कटौती होने और कम कीमत पर बिक्री होने को देखते हुए पाटन-रोधी शुल्क समाप्त कर दिए जाने की स्थिति में आयातों की मात्रा में निश्चित रूप से वृद्धि होने की संभावना है।

#### **ii. मूल अवधि और परवर्ती अवधि के बीच आयातों की मात्रा**

72. विगत मामलों के साथ-साथ वर्तमान अवधि में सूचित किए गए निर्यातों की मात्रा के विश्लेषण से पता चलता है कि संबद्ध देश के मामले में पाटन-रोधी शुल्क लागू होने के बावजूद आयातों की मात्रा अत्यधिक बनी रही है। ऐसी संभावना है कि पाटन-रोधी शुल्क रद्द कर दिए जाने की स्थिति में आयातों की मात्रा में अत्यधिक वृद्धि हो जाएगी।

**iii. विदेशी उत्पादकों की स्वतंत्र रूप से निपटाए जाने वाली वर्तमान और संभावित क्षमताएं और निर्यात प्रवृत्तियां**

73. यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देश में संबद्ध वस्तुओं के उत्पादकों के पास अत्यधिक उत्पादन क्षमता विद्यमान है जो कि भारतीय मांग से भी अधिक है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने यह साक्ष्य उपलब्ध कराया है कि चीन में चीन के उत्पादकों/निर्यातकों ने क्षति की अवधि के दौरान अपनी क्षमता और उत्पादक क्रमशः 61% और 80% तक बढ़ा दिया है। प्राधिकारी आगे यह नोट करते हैं कि वर्ल्ड ट्रेड एटलस के आंकड़ों के अनुसार, 2015 और 2016 में संबद्ध वस्तुओं का निर्यात 21000 मी. टन तक हुआ है। यह सिद्ध करता है कि शुल्कों को समाप्त किए जाने की स्थिति में भारत में निर्यात संबद्ध देश से और अधिक होगा।

**iv. पाटन और क्षति के निरंतर रहने अथवा पुनरावृत्ति होने की संभावना**

74. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह निर्णायक समीक्षा जांच है। हालांकि इस समय कोई क्षति नहीं हो रही है, फिर भी इस जांच का मुख्य उद्देश्य पाटन-रोधी शुल्क को समाप्त कर दिए जाने की स्थिति में पाटन के निरंतर जारी रहने और उससे परिणामी क्षति होने की संभावना की जांच करना है। यह नोट किया जाता है कि संबद्ध आयात घरेलू बाजार में पाटित और क्षति कीमत पर प्रवेश कर रहे हैं और यह जांच अवधि के बाद भी प्रवेश कर रहे हैं।

विवरण	2012-13	2013-14	2014-15	पीओआई	पीओआई पश्चात (अप्रैल, 2016 से सितंबर, 2016)
मात्रा (मी. टन)	897	1171	1051	702	169
कीमत (रु./ किग्रा.)	582	476	454	406	489

**v. भारतीय बाजार का कीमत आकर्षण**

75. जिस कीमत पर चीन जनवादी गणराज्य से भारत को संबद्ध वस्तुओं के निर्यात किए जा रहे हैं, वह पाटन के निरंतर जारी रहने/पाटन के गहन होने की संभावना का एक सूचक है। भारत में वर्तमान पहुंच कीमत पर प्रचलित पाटन-रोधी शुल्क के बिना भी कीमत में कटौती होना सार्थक है। इस प्रकार पाटन-रोधी शुल्क को समाप्त कर दिए जाने पर चीन के उत्पादकों के लिए पाटित आयातों पर भारत में निर्यात करना अत्यंत आकर्षक होगा और ऐसी प्रबल संभावना है कि भारतीय उपभोक्ता चीन से संबद्ध वस्तुओं का बड़े पैमाने पर आयात करने के प्रति प्रवृत्त होंगे।

**vi. उत्पाद की कीमत और भारतीय बाजार की अतिसंवेदनशीलता की दृष्टि से घरेलू उद्योग की संवेदनशीलता**

76. संबद्ध वस्तुओं के लिए भारतीय बाजार निश्चित रूप से कीमत संवेदी है और उपभोक्ता अपनी अधिप्राप्ति पर निर्णय लेने के लिए कीमत को महत्व देते हैं। बाजार में संबद्ध देश से कम कीमत पर आयातों की उपलब्धता होने के कारण घरेलू उद्योग पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। संबद्ध देश से उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा निरंतर दीर्घकालिक पाटन पद्धति, जो कि वर्तमान मामले के तथ्य हैं और वर्तमान पाटन और क्षति और पाटन और परिणामी क्षति की संभावना को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी का यह निर्णय करने का प्रस्ताव है कि पाटन-रोधी शुल्क को समाप्त कर दिए जाने की स्थिति में पाटन और उससे घरेलू उद्योग को होने वाली परिणामी क्षति के निरंतर जारी रहने की संभावना है।

77. प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्तमान मामले में विचाराधीन उत्पाद के पाटन के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई है। इस तथ्य को देखते हुए कि संबद्ध देश के पास घरेलू मांग से अधिक क्षमताएं विद्यमान हैं, संबद्ध देश से वर्तमान आयात की मात्रा और पाटन मार्जिन ऐसी संभावना बढ़ाते हैं कि पाटन-रोधी शुल्क को समाप्त कर दिए जाने के फलस्वरूप संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं का पाटन भारतीय बाजार में गहन होने लगेगा। साथ ही यह भी नोट किया जाता है कि वर्तमान पाटन-रोधी शुल्क इस समय नियंत्रण रखने का कार्य कर रहा है, जिसको समाप्त कर दिए जाने के फलस्वरूप संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों में वृद्धि होगी।

**vii. उपायों नहीं होने पर कीमत कटौती**

78. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटन-रोधी शुल्क लागू नहीं होने की स्थिति में संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण कीमत कटौती होगी और मौजूदा पाटन-रोधी शुल्क समाप्त कर दिए जाने की स्थिति में कीमत कटौती के गहन होने की संभावना है।

79. प्राधिकारी क्षति रहित कीमत का निर्धारण करने के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए उपर्युक्त निवेदनों को नोट करते हैं और यह मानते हैं कि विचाराधीन उत्पाद से संबंधित सभी लागतों पर पाटन-रोधी नियमावली के अनुबंध-III में उल्लिखित प्रावधानों के अनुसार तथा ऐसे संघटकों का समाधान करने के लिए कार्य-प्रणाली पर प्राधिकारी की सुसंगत के अनुसार विचार किया गया है। उत्पादन की कुल लागत पर प्रतिलाभ प्रदान किया जाता है, जिसमें विद्युत की लागत शामिल होती है। इसलिए विद्युत लागत पर अलग से 22% प्रतिलाभ देने पर विचार नहीं किया जा सकता है। जैसा कि घरेलू उद्योग ने लेखाओं में अंतरण कीमत सूत्र का सुसंगत रूप से अनुपालन किया है, क्षति रहित कीमत का निर्धारण करते समय उसी पर विचार किया गया है। घरेलू उद्योग का दावा तर्कसंगत नहीं है। द्वितीयक पैकिंग उत्पाद का विपणन करने के निमित्त है और उसे उत्पादन की लागत के भाग के रूप में नहीं माना गया है। तथापि, प्राथमिक पैकिंग पर विचार किया गया है, जो कि उत्पाद के संग्रहण के लिए आवश्यक उत्पादन की लागत का केवल एक भाग मात्र है।

80. शुल्क के रूप में और मात्रा के संबंध में, प्राधिकारी ने डॉलरों में शुल्क के नियत रूप को जारी रखा है, जैसा कि मूल जांच परिणाम में विद्यमान है और अपेक्षाकृत कमतर शुल्क नियम के प्रावधानों के अनुसार है।

### झ. निष्कर्ष

81. प्राधिकारी के समक्ष उठाए गए तर्कों, प्रदत्त सूचना और किए गए निवेदनों को ध्यान में रखते हुए और इस जांच परिणाम में रिकार्ड किए गए उपलब्ध तथ्यों तथा पाटन के निरंतर बने रहने और उससे परिणामी क्षति की स्थिति के उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर तथा पाटन और क्षति के निरंतर जारी रहने/पुनरावृत्ति होने की संभावना को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी का निष्कर्ष है कि-

- (1) चीन से संबंधित उत्पाद का पूर्णरूपेण और भारतीय उत्पादन/खपत के संबंध में निरंतर पाटन हो रहा है जिसके कारण घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है।
- (2) आयात घरेलू उद्योग की कीमतों में अत्यधिक कटौती कर रहे हैं। प्रचलित पाटन-रोधी शुल्कों के बिना कीमत में कटौती सकारात्मक है। इसके अतिरिक्त आयात घरेलू कीमतों में हास और न्यूनीकरण कर रहे हैं।
- (3) लाभ और निवेश पर प्रतिलाभ के रूप में घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन में गिरावट आई है।
- (4) पाटन-रोधी शुल्क लागू होने के बावजूद चीन से पाटित आयातों के निरंतर जारी रहने के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई है।
- (5) संबद्ध देश से उत्पादकों के पास अत्यधिक क्षमताएं विद्यमान हैं जिनसे प्रमाणित होता है कि पाटन-रोधी शुल्कों को समाप्त कर दिए जाने की स्थिति में भारत को निर्यात गहन हो जाएंगे।
- (6) यदि पाटन-रोधी शुल्कों को रद्द कर दिया जाता है, तो चीन से विचाराधीन उत्पाद के पाटन के निरंतर जारी रहने/गहन होने की संभावना है।

### ज. सिफारिशें

82. उपरोक्त निष्कर्षों के आधार पर प्राधिकारी का यह विचार है कि चीन के संबंध में पाटन-रोधी शुल्कों के उपायों को आगे बढ़ाए जाने की आवश्यकता है, जैसा कि नीचे शुल्क तालिका में विनिश्चित किया गया है। इसलिए प्राधिकारी यह सिफारिश करना आवश्यक समझते हैं कि नीचे शुल्क तालिका में यथा वर्णित रूप में और तरीके से चीन से संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर निरंतर निश्चयात्मक पाटन-रोधी शुल्क लगाया जाए।

83. प्राधिकारी द्वारा अपनाए जाने वाले कमतर शुल्क के नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी, चीन से मूल रूप से संबद्ध वस्तुओं के आयातों अथवा वहां से किए जाने वाले निर्यातों पर इस प्रकार निर्धारित पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन में से कम मार्जिन के बराबर निश्चयात्मक पाटन-रोधी शुल्क को लागू करने की सिफारिश करते हैं, ताकि घरेलू उद्योग को हुई क्षति को दूर किया जा सके। तदनुसार चीन से मूल रूप से होने वाले अथवा किए जाने वाले निर्यात के लिए संबद्ध वस्तुओं के सभी आयातों पर केन्द्रीय सरकार द्वारा नीचे तालिका के कालम 9 में निर्दिष्ट राशि के बराबर पाटन-रोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की जाती है :



**शुल्क तालिका**

क्र मां क	उप- शीर्ष	विवरण	विनिर्दे शन	मूल देश	निर्यातक देश	उत्पादक	निर्यातक	राशि	यूनिट	मुद्रा
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	3904 6100	पालीटेट्राफ्लो रोइथिलीन (पीटीएफई)	कोई	चीन जनवादी गणराज्य	चीन जनवादी गणराज्य	कोई	कोई	2637	मी. टन	यूएस डालर
2	3904 6100	पालीटेट्राफ्लो रोइथिलीन (पीटीएफई)	कोई	चीन जनवादी गणराज्य	चीन जनवादी गणराज्य से इतर अन्य कोई	कोई	कोई	2637	मी. टन	यूएस डालर
3	3904 6100	पालीटेट्राफ्लो रोइथिलीन (पीटीएफई)	कोई	रूस तथा चीन जनवादी गणराज्य से इतर अन्य कोई	चीन जनवादी गणराज्य	कोई	कोई	2637	मी. टन	यूएस डालर

84. इस सिफारिश के परिणामस्वरूप केन्द्र सरकार के आदेश के विरुद्ध कोई भी अपील, अधिनियम के संबद्ध प्रावधानों के अनुसार सीमा-शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण (सीईएसटीएटी) के समक्ष दायर की जाएगी।

डॉ. इन्द्रजीत सिंह, अपर सचिव एवं निर्दिष्ट प्राधिकारी

**MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

**NOTIFICATION**

New Delhi, the 23rd June, 2017

**FINAL FINDINGS**

**Subject : Sun Set Review (SSR) of the Anti-Dumping duty in force concerning imports of “Polytetrafluoroethylene or PTFE” originating in or exported from China PR**

**No. 15/11/2016-DGAD.**—Having regard to Customs Tariff Act, 1975 as amended from time to time (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules thereof, as amended from time to time (hereinafter referred to as the AD Rules).

**A. BACKGROUND –****The original investigation**

1. The original anti-dumping investigation concerning imports of “Polytetrafluoroethylene or PTFE” (hereinafter also referred to as the “subject goods”), originating in or exported from China PR (hereinafter also referred to as the “subject country”) was initiated by the Designated Authority (hereinafter also

referred to as the “Authority”) vide Notification No. 14/25/2003-DGAD dated 27<sup>th</sup> July, 2004. The final finding was issued by the Authority, recommending imposition of definitive anti-dumping duties on the imports of the subject goods, originating in or exported from China vide Notification 14/25/2003-DGAD dated 25<sup>th</sup> July, 2005. On the basis of the findings, definitive anti-dumping duties on the subject goods imported from the subject country were imposed by the central government vide Notification No. 91/2005-Customs dated 17<sup>th</sup> October, 2005.

### **The Mid-Term Review**

2. Subsequently, the Authority conducted a midterm review of the said definitive anti- dumping duty and modified the duty vide Notification No.15/33/2008-DGAD dated 26<sup>th</sup> February 2010 and such modified duty was imposed by the Central Government vide Custom Notification No. 42/2010 dated 5<sup>th</sup> April 2010. Further, on request of one of the interested parties, CESTAT remanded the case. Pursuant to the order of CESTAT, the Authority provided an opportunity to the appellant and other interested parties to present their views orally and concluded vide Post Decisional Finding (Mid Term Review) No.15/33/2008 DGAD dated 10<sup>th</sup> February, 2012 that no modification is warranted in the final findings issued by the Authority vide Notification No. 15/33/2008-DGAD dated 26<sup>th</sup> February 2010.

### **The First Sunset Review**

3. The Designated Authority, vide notification No.15/8/2010-DGAD dated 26<sup>th</sup> July, 2010 suo-motu initiated the sunset review, following which the Authority received a duly substantiated application from M/s. Gujarat Fluorochemicals Ltd. and M/s. Hindustan Fluorocarbons Limited for Sunset Review, requesting for review, enhancement and continuation of the duty. The Authority recommended continued imposition of the anti-dumping duties vide Notification No. 15/8/2010-DGAD- dated 25<sup>th</sup> July, 2011 which was imposed by the central Government vide Notification 81/2011 - Customs, dated 24<sup>th</sup> August, 2011.

### **The second Sunset Review; the present petition**

4. The present petition was filed by Gujarat Fluorochemicals Ltd. (hereinafter referred to as “Petitioner” or “the applicant”) before the Authority in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended from time to time (hereinafter referred to as the Act) and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped articles and for Determination of injury) Rules, 1995 as amended from time to time (hereinafter referred to as the AD Rules) for initiation of the second sunset review and extension of period, modification and enhancement of existing anti-dumping duties on imports of “Polytetrafluoroethylene” (hereinafter referred to as PTFE or subject goods or product under consideration ‘PUC’) from People’s Republic of China .
5. The Authority, on the basis of sufficient prima facie evidence submitted by the applicant, issued a Notification No. 15/11/2016 DGAD dated 8<sup>th</sup> July, 2016, published in the Gazette of India, initiating the subject investigations in accordance with the Rule 5 of the above Rule to determine existence, degree and effect of the alleged dumping of the subject goods, originating in or exported from China, and to recommend the amount of anti-dumping duty, which, if levied, would be adequate to remove the alleged injury to the domestic industry. The Anti-Dumping Duty has been extended till 23<sup>rd</sup> August, 2017.
6. The subject goods imported from Russia are also attracting anti-dumping duty since the year 2005.

## **B. PROCEDURE**

7. The procedure described below has been followed with regard to the investigation:
  - (i) The Authority received a duly substantiated Sunset Review petition, in the prescribed format, from Gujarat Fluorochemicals Ltd. for review and continuation of the duty in force on imports of PTFE from China.
  - (ii) The petitioner submitted prima facie evidence in this regard requesting for review and continuation of the anti-dumping duty in force.
  - (iii) The Authority intimated to the Embassy of China in New Delhi that it has received a petition from the domestic industry to initiate sunset review investigation against imports of the subject goods originating in or exported from China.

- (iv) The Authority, on the basis of prima facie evidence submitted by the petitioner to justify initiation of the investigation, initiated sunset review investigation against imports of the subject goods originating in or exported from China vide Notification No. 15/11/2016- DGAD dated 8<sup>th</sup> July, 2016.
- (v) The Authority sent copy of the initiation notification dated 8<sup>th</sup> July, 2016 to the embassy of the subject country in India, known exporters from the subject country, known importers and other interested parties, as per the addresses made available by the applicant and requested them to make their views known in writing within 40 days of the initiation notification.
- (vi) The Authority provided a copy of the non-confidential version of the application to the known producers/exporters and to the Embassy of China in India in accordance with Rule 6(3) of the Rules supra.
- (vii) The known interested parties were requested to file questionnaire responses and make their views known in writing within the prescribed time limit. Copies of the letter and questionnaires sent to the exporters were also sent to embassy of the subject country along with a list of known exporters/producers, with a request to advise the exporters/producers from the subject country to respond within the prescribed time.
- (viii) The Embassy of China in India was informed about the initiation of the sunset review investigation in accordance with Rule 6(2) of the Rules with a request to advise the exporters/producers from China to respond to the questionnaire within prescribed time limit. A copy of the letter and questionnaire sent to the exporters was also sent to the Embassy of China along with the names and addresses of the known subject producers/exporters.
- (ix) The Authority sent exporter's questionnaires to elicit relevant information to the following known producers/exporters in China in accordance with Rule 6(4) of the Rules:
  1. M/s. Zhengxin Fluorocarbons, Dingyan town, Changzhou city, Jiangsu, China
  2. Shandong Dongyue Chemical Co., Ltd, Tangshan, Huantai. Zibo. Shandong, China
  3. Changzhou Xiangtong Chemical Co., Ltd, No.165 Qingliang Road, Changzhou, China
  4. Taizhou Meilan Resin Process Co. Ltd, 460 Yangzhou Rd. Taizhou, Jiangsu, China , Taizhou , Jiangsu ( China )
  5. ShanDongDongYue Polymer Material Co., Ltd Tangshan Town Huantai County, Zibo City, Shandong Province, China
  6. DuPont (Changshu) FluoroTechnoIogy Co. Ltd., Jiangsu High-Tech Fluorochemical Industry Park, Haiyu Town, Changshu City, Jiangsu Province, China
- (x) However, none of the exporters filed response to the exporter's questionnaire or made any other submissions.
- (xi) The Authority sent Importer's Questionnaires to the following known importers/users/associations of subject goods in India calling for necessary information in accordance with the Rules:
  1. M/s Meerut PTFE Products Pvt. Ltd., C-2, Industrial Estate, Partapur, Meerut-250103
  2. M/s Trestar Elektronik, A-8, Industrial Area, Meerut Road, Ghaziabad-201003, Uttar Pradesh
  3. M/s Tonk& Associates (P) Ltd., 48-49, Mohkampur, Industrial Complex, Phase-II, Delhi Road, Rithani, Meerut – 250103
  4. M/s E.I. Dupont India Pvt. Ltd., DLF Cyber Green, 7th Floor – C Tower, 25A DLF City – Phase III, Gurgaon, Haryana – 122002
  5. M/s T & F Insulations (P) Ltd., 503 Police Lines Road, Bulandshahr – 203001, Uttar Pradesh

6. M/s Sanghvi Products, 36, Lalit Ware House, NarolSarkhej Highway, Narol, Ahmedabad – 382405, Gujarat
7. M/s U. Goenka & Sons Ltd, Green Home, II House, Green Street, Mumbai. –400 001, Maharashtra
8. M/s Pragati International, 15, Aradhanea Colony, Sector XIII R.K. Puram, New Delhi
9. M/s Venus Industries, Lotus Building 171, Plot no 9, VillMoti Bag, Namarpura, New Delhi
10. M/s Supremo Polymer Industries No. 5 & 8, Darshan Industrial Estate, Near Chirag Diomond, L. B. S. Stadium Road, Bapunagar, Ahmedabad- 380024, Gujarat
11. M/s Guarniflon India Pvt Ltd., S. NO. 116/1 & 116/2, Village Kala, Amboli, Silvassa - 396191, Dadra And Nagar Haveli
12. M/s Tee Coating Industries, Near G.D. High School, Sajhpura Bhoga, Naroda Road, Ahmedabad, --382345, Gujarat
13. M/s Pragati Plastic Pvt. Ltd, 15, Aradhana Colony, Sector XII. R.K. Puram, New Delhi
14. M/s Automate Industries, 62. Adarsh Industries, Near Chakudia Mahadav, Ahmedabad, Gujarat
15. M/s Dip Flon Engineering Co., B- 143 b.G. Tower, SanghiBagh Road, Ahmedabad-380004, Gujarat
16. M/s Plastic Product engineering Co, Near Dist Court, P.O. Narol- 382405, Ahmedabad, Gujarat
17. M/s Corrosion Engineers, near Gujrat Screen Printing Works, Opp. Narol Village, Behind Sarania Vas, P.O. Narol- 382405 Ahmedabad, Gujarat
18. M/s TFE Coating industries, Plot No C 1 89/8, Gidc Estate, Vatva Gidc, P.O. Saijpur Bhogla, Naroda Road, Ahmedabad – 382445, Gujarat
19. M/s Mechanical Packing Industries,15, ParsiPanchyat Road, Andheri (West), Mumbai. 400069 , Maharashtra
20. M/s Mach Polymers,T-112, MIDC, Bhossari, Pune 411026, Maharashtra
21. M/s T& F Insulations Pvt Ltd., 503, Police Lines Road, Bulandshahr – 203001, Uttar Pradesh
22. M/s Ghaziabad Flopol Insulations Pvt. Ltd., K.M, Milestone, Meerut Road, Ghaziabad – 201001, Uttar Pradesh
23. M/s Sanghvi Techno Products., No. 119, Lalitware House, Near RanipurPatia, NarolSarkhej Highway, Ahmedabad – 382405, Gujarat
24. M/s Dip FlonEngg& Co., Plot No. C1-803,804. GIDC. Industrial Estate, Chhatral– 382729, Gandhinagar, Gujarat
25. M/s Jai hind polymers., H-81, M.I.D.C. Kupwad Block, Sangli - 416 436, Maharashtra
26. M/s Kanan Polymer, 146 A Shiv Shakti Estate, B/H Vijay Transport Co. Narol Cross Road ,Narol , Ahmedabad, Gujarat
27. M/s Dhvani Polymer Industries., No. 61, Kameshwar Estate, Plot No. 3609, Phase - 4, G. I. D. C., Vatva, Ahmedabad - 382445 , Gujarat
28. M/s AflonEngg Corporation, City Mill Compound, Kankaria Road, Kankaria, Near Big Bazaar, Ahmedabad – 380022, Gujarat
29. M/s Tefkot Cable Company, 1004, Rithani (East), Delhi Road, Meerut – 250103,Uttar Pradesh

30. M/s Packlon Industries., No. 53, Balaji Estate, Opposite Avtar Hotel, NH No. 8, Sanpur, Ahmedabad-382443, Gujarat
31. M/s Electro Polymers Pvt. Ltd., 8, Jyoti Industrial Estate, Near. Vishal Textiles, Opp. Narol Village, Narol, Ahmedabad – 382405, Gujarat
32. M/s Angana International, 41, Salvik Complex, Navrangpura, Ahmedabad-380023, Gujarat
33. M/s Plastic Products Engg Company, Near Dist. Court, P.O. Narol, Ahmedabad-382405, Gujarat
34. M/s Guarniflon India Pvt. Ltd., Survey No. 116/1 & 116/2, Village Kala, Amboli, Silvassa – 396230
35. M/s Fluoro Carbon Seals , 3/178, Old Mahabalipuram Road, Thuraipakkam, Chennai - 600 096, Tamil Nadu
36. M/s Fluoroplast Industries, 5/2, Dashrath Estate, Nr. Revabhai Estate, C.T.M. Cross Road, Ahmedabad-380026, Gujarat
37. M/s S.N. Enterprise, 15A/B, Sardar Patel Industrial Estate, Narol, Ahmedabad-382405, Gujarat
38. M/s Precision Polymer Industries, 66, Maheshwari Industrial Estate, Tawdipura, Shahibaug Road, Ahmedabad-380004, Gujarat
39. M/s Sanghvi Techno-Products, 119, Lalit Warehouse, Narol-Sarkhej Highway, Narol, Ahmedabad- 382405, Gujarat
40. M/s Sarasons Engineering Industries, Akash Ganga, 3rd Floor, Gujarat College Road, Ellisbridge, Ahmedabad – 380006, Gujarat
41. M/s Ganesh Flon, 6, Mahavir Estate, Near. Apsara cinema, Khokhara, Ahmedabad, Gujarat
42. M/s Pap-Flon Engineering Co., Plot No. 4721 / 22, Phase-IV, GIDC, Vatva, Ahmedabad – 382445, Gujarat
43. M/s GMM Pfaudler Ltd, P.Box No-1, AnandSojitra Road, Karmsad.
44. M/s Poly Fluoro Products, A-15, Nandjyot Industrial Estate, Safed Pool, Sakinaka, Mumbai-400072, Maharashtra
45. M/s Vimal Polymer Industries, 115-116 KamlaBhuvan, Sharma Industrial Estate, Walbhat Road, Goregaon (East), Mumbai-400063, Maharashtra
46. M/s Hindustan Polymers, 37/501, Sai Siddhi Society, Chh.ShivajiRaje Complex, (W), Mumbai – 400067, Maharashtra
47. M/s Tefol Polymer Industries, 306/B, 'Nisha' Apartments, Janakalyan Nagar, Malvani-I, Marve Road, Malad (W), Mumbai – 400095 , Maharashtra
48. M/s Dynamic (GLS) Industries, 33, Municipal Industrial Estate, UmelaPhata, Papdy, Vasai (W), Dist. Thane - 401207, Maharashtra
49. M/s Trimurti Polymers, A-5/503, Happy Valley, Tiku-Ji-Ni-Wadi Road, Chitalsar, Manpada, Thane (West)-400610, Maharashtra
50. M/s PTFE Rubber Works, 8, GeetaIndl. Estate, I.B.Patel Road, Goregaon (E), Mumbai – 400063, Maharashtra
51. M/s Igatwin Polymers Private Limited, Plot 4&5, Gut 322/233, Dam Road, Village Talegaon, Igatpuri-422403
52. M/s Mechanical Seals & Packaging Industries, 6, Jamnadas Industrial Estate, Dr. R.P. Road, Mulund (W), Mumbai – 400080
53. M/s Shraddha Polymer Industries, A2/102, Shruti Garden, Manorama Nagar, Kolshet Road, Thane (W) – 400607

54. M/s Apex Polymers, 130, Nagdevi Street, 1st floor, Mumbai – 400003
55. M/s Galaxy Thermoplast Pvt. Ltd., W-10 & 11, Panchal Udyog Nagar, Goddev Road, Bhayander (E), Thane – 401105
56. M/s Modern Industrial Corporation, 104/D, Govt. Industrial Estate, Kandivali (W), Mumbai - 400069
57. M/s Moreflon Industries, W-303, MIDC, Pipeline Road, Rabale, Navi Mumbai
58. M/s J.K. Polymer Industries, B/6, Seksaria Industrial Estate, Chincholi, S.V. Road, Malad(W), Mumbai- 400064
59. M/s Polymers, F-41, Nanddham Inds. Estate, Marol Maroshi Road, Andheri(E), Mumbai – 400059
60. M/s Vee Bee Industries, Gala No. G/1, Gr. Floor, Sailesh Inds. Estate No.8, Navghar, Vasai (E) - 401210, Thane Dist .
61. M/s Garg Scientific Instruments, 39, Bharat Udyog Nagar, Babasaheb Kotkar Marg, Goregaon (E), Mumbai – 400063
62. M/s V.V. Fluro Product, 17, Pande Compound, Sonawala Cross Road No.2, Goregaon (East), Mumbai - 400063
63. M/s Shyam Polymers, Gala No. 3, Sai-Udyog Ind Estate No.2, Nr. HP Gas Godown, Panchal Nagar, Bhayandar (E), Thane Dist– 401105
64. M/s S. Industries, C-203, Geeta Sarovar, Geeta Nagar, Phase-VII, Bhayandar (East), Thane Dist. – 401105
65. M/s Shyam Fluoro Products, 103, Khandoba Vishal Ind. Estate, Panchal Nagar, Bhayandar (East), Thane - 401105, Maharashtra
66. M/s Kiran Engineering, B-7/6, Kothari Compound No.3, Chitalisar, Manpada, Thane (W) - 400607
67. M/s Accurate Packing & Seals, Gala No.1, Vaishali Nagar, Mohan Arjun Compound, Near Karim Sheth Indl. Estate, Dahisar (E), Mumbai – 400068
68. M/s Ashish Dies & Moulds, 151, Ramjanak Compound, Opp. Veena Dalai Estate, Oshiwara, Jogeshwari (W), Mumbai – 400102
69. M/s Fluoro-Tech Engineering Pvt. Ltd., 132, Swami Vivekanand Ind. Co-Op. Society, Handewadi Road, Hadapsar, Pune – 411028
70. M/s National Fluoromers, Industrial Plot No. 1/2, Sharadaram Park, Near MIDC, MIRAJ - 416410, Maharashtra
71. M/s Mask Seals Company, S-Block, 72/4, MIDC, Bhosari, Pune – 411026
72. M/s Neo Wires & Allied Products Pvt. Ltd., S-Block, W-232, MIDC, Bhosari, Pune – 411026
73. M/s Hi-Tech Polymers, T-152, MIDC, Bhosari, Pune – 411026
74. M/s Suflon Industries, 110, Anurag Gangote Path, Near Kamala Nehru Park, Pune - 411004
75. M/s Hindustan Nylons, C-23, MIDC, Miraj-416410, Dist. Sangli, Maharashtra
76. M/s Aarathy Engg. Plastics, 116, Thambu Chetty Street, Chennai – 600001
77. M/s Spareage India Ltd. Oil Seal House, Road No. 28, Wagle Estate, Thane (W), Mumbai – 400604
78. M/s Kedar Polymers, Bhairavnath Engineering Works, 259, Near Mith-Ganj Police Chowky, Mahatma Phule (Ganj) Peth, Pune – 411002

79. M/s Babuji Electronics & Chemicals, Plot Nos. 11 & 14, Babuji Enclave, Madhapur, Cyberabad, Hyderabad - 500081, A.P
  80. M/s Flora Enterprises Pvt. Ltd., Plot No. 86 & 87, S.No. 170, Phase-IV Extension, IDA Jeedimetla, Doolapally Road, Hyderabad- 55
  81. M/s Flucon Polymers Pvt. Ltd., Plot No. A-59/2, IDA Kukatpally, Gandhinagar, Balanagar, Hyderabad – 500037
  82. M/s Bafna Industrial Stores., 4-2-244, Old Bhoiguda, (Mahankali Street), Secundrabad – 500003
  83. M/s Fluorokraft Private Limited., No. 274, IInd Main Road, Nehru Nagar, Kottivakkam, Chennai – 600096
  84. M/s Industrial Spares Manufacturing & Trading Co. Plot No. 66, 77 Perungudi Industrial Estate, Chennai - 600 096
  85. M/s Indofab Engineers, Plot # 19, Kakateeya Nagar, Golconda Road, Hyderabad - 500 008
  86. M/s Trelleborg Sealing Solutions (India) P. Ltd., No.27, 32nd Cross, 7th block, Jayanagar, Bangalore-70
  87. M/s PKN Caps & Polymers (P) Ltd., B-12, 'A', Brigade MM Ind. Complex, New K.R.Road, Jayanagar, Bangalore – 82
  88. M/s Rollon Bearings P. Ltd., 7th Mile, Kanakapura Road, Doddakalasandra, Bangalore – 560062, Karnataka
  89. M/s Karnataka Polymer Product No.124/2B, KachanayakanaHalli, Hennagara Post, Next BommasandraIndl. Area, Bangalore–06
  90. M/s Visan Polymers, 113, KIADB Industrial Estate, Tarihal, Hubli, Karnataka
  91. M/s MIL Industries Ltd., 25A, Industrial Estate, Ambattur, Chennai – 600098
  92. M/s HIL Polymers, H.No.4-89/2, Chandanagar, Hyderabad - 500050
  93. M/s Poly Fluoro Ltd. ,260A, BommasandraIndl. Area, Hosur Road, Bangalore – 560099
  94. M/s Rasaii Flow Lines, 34, New Street, Maduvankarai, Guindy, Chennai – 600032
  95. M/s Siflon Polymers, 76 & 77, Mythri Nagar Phase-I, Miyapur, Hyderabad - 500050, A.P., India
  96. M/s Fluorotherm Industry, MCH No 5-9-266 , Rajiv Gandhi Nagar Prashant Nagar, Kukatpally, Hyderabad-500 037
  97. M/s Finer Enterprises Pvt. Ltd., No 5/357A, Rajeev Gandhi Salai (Old Mahabalipuram Rd), OkkiyamTettai, Chennai – 600097
  98. M/s XomoxSanmar Ltd., 9, Cathedral Road, Chennai – 600086
  99. M/s Three G Fluoropolymers Pvt. Ltd., Saregam(Plastic Zone), Taluka Umbergaon, VAPI, Gujarat-396155
- (xii) M/s MIL Industries Ltd., M/s Rollon Bearings Pvt. Ltd., M/s Siflon Polymers Pvt. Ltd. responded and stated that they have not imported the PUC during the POI, from People's Republic of China.
- (xiii) None of the other importers/users/associations of subject goods in India has filed response to the letter nor filed the same in the form and manner prescribed or made any other submissions.
- (xiv) Exporters, producers and other interested parties who have not responded to the Authority, nor supplied information relevant to this investigation, have been treated as non-cooperating interested parties.
- (xv) The Authority held an oral hearing on 31<sup>st</sup> January, 2017 to provide an opportunity to the interested parties to present relevant information orally in accordance to Rule 6 (6), which was attended by the domestic industry along with its representatives only. The domestic industry who

presented their views orally at the time of oral hearing was advised to file written submissions of the views expressed orally.

- (xvi) Additional information was sought from the petitioner to the extent deemed necessary.
- (xvii) The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by the domestic industry alone, in the absence of response from any other interested parties, in the form of a public file kept open for inspection.
- (xviii) Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) data on details of imports of subject goods for the past three years, including the period of investigation, has been relied upon for computation of the volume & value of imports and injury analysis.
- (xix) Optimum cost of production and cost to make & sell the subject goods in India based on the information furnished by the domestic industry on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) was worked out so as to ascertain if anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to Domestic Industry. The NIP has been determined by the Authority in terms of the principles laid down under Annexure III to the Anti-Dumping Rules.
- (xx) The period of investigation for the purpose of the present review is April, 2015 - March, 2016 and the injury analysis has been done for the period 2012-13, 2013-14, 2014-15 and Period of Investigation.
- (xxi) The submissions made by the domestic industry alone, in the absence of any submissions made by other interested parties, during the course of this investigation have been considered by the Authority, wherever found relevant, in this finding.
- (xxii) Verification to the extent deemed necessary was carried out in respect of the information & data submitted by the domestic industry.
- (xxiii) Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. The Authority has accepted the confidentiality claims wherever warranted and such information has been considered as confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis.
- (xxiv) Wherever an interested party has refused access to, or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigation, or has significantly impeded the investigation, the Authority has considered such parties as non-cooperative and recorded the findings on the basis of the facts available.
- (xxv) The Authority issued a disclosure statement under Rule 16 on 30/5/2017 and provided an opportunity to give comments to the disclosure statement till 12<sup>th</sup> June, 2017.
- (xxvi) \*\*\* represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.
- (xxvii) The average exchange rate of 1US\$ = Rs 65.91 prevailing during the POI has been adopted by the Authority in this finding.

## **C. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE**

### **Submissions made by the Domestic Industry**

8. **The following submissions have been made by the domestic industry with regard to the scope of product under investigation:**
  - a. The product under consideration in the present sunset review investigations is "Polytetrafluoroethylene" also known as "PTFE" in the market parlance (hereinafter also referred to as "PTFE" or "product under consideration" or "PUC" or 'Subject Goods') originating in or exported from China PR and is same as it was in the previous investigations as no significant developments has taken place over the period with regard to PUC.



- b. PTFE is produced in various grades like molding grade, fine powder, aqueous dispersions compound grades and filled grades. All grades that were included in the scope of the previous investigations are within the scope of the present review. PTFE is primarily used in electrical, electronic, mechanical and chemical industries for its unique characteristics like chemical inertness, electrical and thermal insulation, low coefficient of friction, non-toxic, non-flammable, resistance to radiation, low level of static and dynamic friction and outstanding electrical properties over a wide frequency range.
- c. The Polytetrafluoroethylene (PTFE) is classified under subheading no 390461 under Customs Tariff Act and at subheading no. 39046100 in the Indian Trade Classification (ITC) based on Harmonized System. Customs classifications are indicative only and, in no way, binding on the scope of the investigations.
- d. The goods produced by the domestic industry are like article, within the meaning of the Rules, to the imported product in terms of parameters such as physical & technical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification. The consumers are using the two interchangeably.

#### **Submissions made by the other Interested Parties**

9. None of the exporters/producers from the subject country, importers, consumers, users, associations in India or any other interested party has filed any comment or submissions with regard to product under consideration, and like articles.

#### **Examination by the Authority**

10. The subject goods fall under Chapter 39 of the Custom Tariff Act under subheading no. 3904.6100. The Customs classification is, however, indicative and not binding on the scope of the investigation and measures.
11. The domestic industry has claimed that there is no known difference in petitioner's product and product under consideration exported from the subject country and the two are comparable in terms of characteristics such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. There is no significant difference in the subject goods produced by the petitioner applicant and those exported from the subject country and both are technically and commercially substitutable.
12. The Authority notes that the present investigation is a sunset review investigation, and none of the interested parties have contested the meaning and scope of the product under consideration as defined by the Authority, has considered the scope of the product under consideration the same as was considered by the Designated Authority at the time of previous final findings:

#### ***Product under Consideration and Like Article***

*"2. The product under consideration in the present case is "Polytetrafluoroethylene (PTFE) originating in or exported from China PR" (also referred to as subject goods hereinafter). The subject goods are classified under subheading no 390461 under Customs tariff Act and at subheading no. 39046100 in the Indian Trade Classification (ITC) based on Harmonized System. Customs classifications are indicative only and, in no way, binding on the scope of the investigations. PTFE is produced in various grades like moulding grade, fine powder, aqueous dispersions compound grades and filled grades. All grades are within the scope of the product under consideration. PTFE is primarily used in electrical, electronic, mechanical and chemical industries for their unique characteristics which are chemical inertness, electrical and thermal insulation, low coefficient of friction, non-toxic, non-flammable, resistance to radiation, low level of static and dynamic friction and outstanding electrical properties over a wide frequency range.*

13. Anti-dumping duties are in force on imports of PTFE on the basis of recommendations earlier made by the Authority. The Authority notes that the petition is for review and continuation of the Anti-Dumping Duty in force and the issue of like article has been already dealt with in the original investigation.
14. The Authority notes from the information available on record that the product produced by the domestic industry is like article to the goods imported from the subject country, and confirms the same in the final finding.

**D. SCOPE OF DOMESTIC INDUSTRY AND STANDING****Submissions made by the Domestic Industry****15. The following submissions have been made by the domestic industry with regard to the scope of domestic industry and standing:**

- a. The petition has been filed by M/s. Gujarat Fluorochemicals Ltd. The Petitioner is a major producer of the subject goods in India. There is only one more company, Hindustan Fluorocarbons Ltd., which produces the subject goods. However, the production of the subject goods by the petitioner, GFL constitutes \*\*\*% in domestic production in the investigation period. Petitioner, thus, constitutes Domestic Industry and satisfies the requirements of Rule 2(b) and Rule 5(3) of the AD Rules and the standing to file the present petition.
- b. Domestic industry has not imported the subject goods during the POI. Also, the domestic industry is not related (either directly or indirectly) to any exporter of product under consideration in the subject country or importer in India.

**Submissions made by the other Interested Parties**

16. None of the exporters/producers from the subject country, importers, consumers, users, associations in India or any other interested party has filed any comment or submissions with regard to the scope of the Domestic Industry and Standing

**Examination by the Authority**

17. Rule 2(b) defines domestic industry as under: -

*"(b) "domestic industry" means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term 'domestic industry' may be construed as referring to the rest of the producers".*

18. The petitioner satisfies the requirement of standing under the Rules and constitutes the domestic industry as the production of the petitioner company constitutes around \*\*\*% of Indian production and the petitioner is an eligible domestic industry within the meaning of Rule 2(b). Petitioner not imported the subject goods from the subject country, nor the petitioner is related to an exporter or importer of the subject goods. The Authority, therefore, holds that Gujarat Fluorochemicals Ltd. constitutes domestic industry within the meaning of the Rule 2(b) and Rule 5 of the Rules supra.

**E. CONFIDENTIALITY**

19. With regard to confidentiality of information, Rule 7 of Anti-dumping Rules provides as follows:

*"7. Confidential information- (1) Notwithstanding anything contained in sub-rules (2), (3) and (7) of rule 6, sub-rule (2) of rule 12, sub-rule (4) of rule 15 and sub-rule (4) of rule 17, the copies of applications received under sub-rule (1) of rule 5, or any other information provided to the designated authority on a confidential basis by any party in the course of investigation, shall, upon the designated authority being satisfied as to its confidentiality, be treated as such by it and no such information shall be disclosed to any other party without specific authorization of the party providing such information.*

*(2) The designated authority may require the parties providing information on confidential basis to furnish non-confidential summary thereof and if, in the opinion of a party providing such information, such information is not susceptible of summary, such party may submit to the designated authority a statement of reasons why summarization is not possible.*

*(3) Notwithstanding anything contained in sub-rule (2), if the designated authority is satisfied that the request for confidentiality is not warranted or the supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorise its disclosure in a generalized or summary form, it may disregard such information."*

20. Information provided by the domestic industry on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not kept it open in public file. Since there was no response from other interested parties.

## **F. MISCELLANEOUS ISSUES**

### **Submissions made by the domestic industry**

21. The following miscellaneous submissions have been made by the domestic industry:
- There is a significant decline in the landed price of the subject imports from the subject country in last 4-5 years.
  - The anti-dumping duties became effective only after imposition of duties in fixed form in the last sunset review as its need was noted by the Authority.
  - The subject goods are continuously entering the Indian market in large volume and at continuous declining prices which shows that the existing anti-dumping duties in place are not sufficient to offset the volume and price injury being caused to the domestic industry.
  - The import statement of thread seal tape, which is the semi-finished product of PTFE, is being circumvented as the import statement demonstrates that throughout the injury period with the exception of 2015-16, the landed price of PTFE has remained above the landed price of Thread Seal Tape. Since PTFE cost is included in the Thread Seal Tape, it is impossible for its landed price to be lower than the landed price of PTFE. The domestic industry has earlier filed a circumvention petition also concerning the subject goods however the same has not been initiated or taken up by the Authorities.
  - In the case of present subject goods, each and every captive input is valued at its cost of production. Power, Chlorine, Chloroform, AHF, R-22, TFE are all captive inputs produced by the petitioner and these captive inputs have been transferred to next product at cost of production; the NIP is required to be determined after adding 22% return on these captive inputs.
  - None of the exporters have responded to the questionnaire issued by the Authority. Exporters should therefore be considered non-cooperative as per Rule 6(8) and the Authority should proceed according to the best information available.

### **Submissions by producers/exporters/importers/other interested parties**

22. None of the exporters/producers from the subject country, importers, consumers, users, associations in India or any other interested party has filed response and hence, no miscellaneous issues.

### **Examination by the Authority**

23. The Authority notes that the upstream products mentioned by the domestic industry would require a fresh investigation and the same is not within the scope of this investigation. The issue of NIP has been appropriately dealt with under injury determination.

## **G. NORMAL VALUE, EXPORT PRICE AND DUMPING MARGIN**

### **Normal Value under the Rules**

24. According to Section 9A (1) (c) of the Customs Tariff Act, 1975 'Normal Value' in relation to an article means: -

*“comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or*

*when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either-*

- (a) *comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or*
- (b) *the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6):*

*Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transshipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.*

#### **Submissions made by the Domestic Industry**

25. The domestic industry inter alia submitted as follows:

- a. One of the provisions of Accession protocol has expired on 11<sup>th</sup> December, 2016. The Designated Authority should proceed with present investigation considering Chinese producers as producers operating in non-market economy conditions due to reasons given below.
- b. The investigation period considered by the Authority in the present case is April, 2015 to, March 2016 (12 months). The injury investigation period has been considered as the period 2012-13, 2013-14, 2014-15 and POI.
- c. The purpose of fixation of POI is to consider a period when the existence of dumping causing injury is claimed and established. The date of determination is not relevant to the moot question of dumping causing injury to the domestic industry. Since the factum of dumping causing injury to the domestic industry is established based on investigation period, the conditions prevalent during the investigation period alone should be considered relevant, appropriate and necessary for the purpose.
- d. The Chinese producers are required to be treated as non-market economy companies for the reason that the costs and prices in China do not reasonably reflect the market forces. Para 8 to Annexure-I specifies the parameters which should be considered for grant of market economy status. This also implies that unless these conditions are not fulfilled/ satisfied, the Chinese costs and prices cannot be adopted.
- e. The consideration of market economy status is based on parameters prevailing during investigation period. Since the reason for rejection of Chinese costs and prices is distortion in the costs and prices in China due to the factors listed in Para 8 to Annexure-I, petitioner submits that it is the investigation period that is relevant to decide consideration of Chinese producers as market economy companies.
- f. Since Chinese companies have been denied market economy status for the reasons mentioned in Para 8 of Annexure-I till December, 2016, petitioner submits that the Chinese producers are required to be treated as non-market economy companies till such time the investigation period includes the period specified in Accession Treaty protocol.
- g. In the context of rule 2(b), it is well established legal position that the imports by a domestic producer or its relationship with an exporter or importer are examined with reference to the investigation period. If POI alone is relevant for standing purposes, POI alone should be relevant for normal value determination.
- h. Chinese producers are required to be treated as companies operating under non-market economy environment and the Authority may proceed to determine the normal value on the basis of Para 7 of Annexure-I.
- i. Normal value could not be determined on the basis of price or constructed value in a market economy third country for the reason that the relevant information is not publicly available. The petitioner has claimed consideration of normal value on the basis of cost of production in India duly adjusted.
- j. The dumping margin from China is not only significant, but also substantial, thus establishing existence of significant dumping of the product under consideration in India. The import volume of China has remained significant throughout the present injury period, despite anti-dumping duty in force.

- k. Considering the production capacities available with Chinese producers and their high export orientation, dumping would continue and even intensify in the event of cessation of anti-dumping duty
- l. In the absence of any response either from the Chinese exporters or from their Government and any other publicly available information, Normal Value in China has to be determined on the basis of cost of production in India, duly adjusted for profit. The profit is required to consider profits in captive inputs.
- m. Raw material required for production of the product under consideration is captive and therefore, its value should include profit on all captive inputs. A reasonable profit is required to be added in the CNV with regard to production of each of the captive inputs consumed by the Chinese producers which is not mere 5% addition to the captive raw material cost. Since captive raw material itself has been captively produced and there is a long chain of production, reasonable profit is required to be added for each of the captive input consumed.
- n. 5% profit on cost is grossly inadequate for PTFE being a capital intensive product. High rate of return allowed by NPPA in case of products being produced from basic stage further reflects the approach of the Govt. of India to grant higher return in case of backward integrated industry.

#### **Views of the interested parties**

26. None of the importers, consumers, exporters and other interested parties has filed any comment or submissions with regard to dumping margin.

#### **Examination by the Authority**

27. The Authority notes that none of the producers/exporters have responded to the Questionnaire and therefore evaluation of the submissions on Non-Market Economy and the Assessment Protocol of China on Normal Value are trivial. The Authority has therefore evaluated the normal value for all producers/exporters on the basis of Rule 6 (8) i.e. best available information of the AD Rules which reads as *"In a case where an interested party refuses access to, or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the designated authority may record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Government as it deems fit under such circumstances."*

#### **Normal value determination for China PR**

28. Accordingly the normal value for the subject goods has been constructed considering optimum consumption norms for the major raw materials and utilities, international prices of purchased raw materials, prices of captively produced raw material, including reasonable conversion cost, interest, SGA, and reasonable profit etc.

#### **Determination of Export Price**

29. None of the producers/exporters from the subject country have provided any information on export price. Therefore, the Authority has determined the weighted average export price for all producers/exporters of China PR on the basis of the DGCI&S transaction wise data. Accordingly, the weighted average net export price at ex-factory level, in respect of all producers/exporters from China PR has been determined after making due adjustments for CIF (\*\*\*/MT), Ocean Freight (\*\*\*/MT), Insurance \*\*\*\*% (\*\*\*/MT), FOB (\*\*\*/MT), Commission \*\*\*\*% (\*\*\*/MT), Inland Freight (\*\*\*/MT), Bank Charges \*\*\*\*% (\*\*\*/MT), Port Expenses \*\*\*\*% (\*\*\*/MT) and VAT \*\*\*\*% (\*\*\*/MT) on the basis of best available information made available by the Petitioners as mentioned in the dumping margin table.

#### **Determination of Dumping Margin**

30. The export price to India (net of all the adjustments accepted by the Authority) has been compared with the constructed normal value to determine the dumping margin during the POI for all exporters/producers from the subject country as mentioned in the table below:

Particulars	Units	Value
Constructed Normal Value	US\$/MT	***

Particulars	Units	Value
Export Price (Ex-factory)	US\$/MT	***
Margin of Dumping	US\$/MT	***
	%	***
	range of %	40-50

## **H. Assessment of Injury, Causal Link and Likelihood of Continuation of Injury**

### **i. Methodology for Injury Determination and Examination of Injury and Causal Link**

#### **Views of other interested parties**

31. None of the importers, consumers, exporters and other interested parties has filed any comments or submissions with regard to injury and causal link.

#### **Submissions made by the domestic industry**

32. The following submissions have been made by the domestic industry in this regard:
- The demand for the product under consideration has increased throughout the injury period with a decline in the period of investigation.
  - The imports from the subject country are still continuing, have been quite significant, both in absolute and relative terms, throughout the injury period despite the imposition of the anti-dumping duty and are being reported at dumped prices.
  - The landed price of imports is not only below selling price of the domestic industry but also below cost of sales and non-injurious price of the domestic industry and thus, resulting in positive price undercutting. The same is positive without prevailing anti-dumping duties.
  - The dumped imports are not only depressing but suppressing as well the prices of the domestic industry to a significant degree.
  - Both dumping margin and injury margin in the POI are positive and significant.
  - Performance of the domestic industry has shown improvement in terms of capacity, domestic sale. Whereas the production has increased till 2014-15 and thereafter declined in the POI and the capacity utilization also followed the same trend.
  - Further, the profitability kept fluctuating and the DI has suffered financial losses in the POI. ROCE has followed a trend almost the same as that of profits. Cash profits have also deteriorated during this period.
  - Employment with the domestic industry has declined over the injury period. Wages paid has also shown a similar trend.
  - Inventories with the domestic industry during the period of investigation have remained the same as the base year.
  - Growth of the Domestic Industry has shown deterioration.
  - Given the state of affairs of the domestic industry where the product is not performing well because of dumping and when fresh investments have already been made and are not generating adequate returns, further fresh investments cannot be planned.
  - The dumping margin from subject country is not only more than de-minimus but also substantial. The impact of dumping on the domestic industry is significant. In fact, dumping is gradually intensifying.
  - Injury margin is quite significant. The impact of injury on the domestic industry is significant.
  - The various parameters relating to domestic industry collectively and cumulatively establish that the domestic industry has suffered injury.

**Examination by the Authority**

33. The Authority has addressed various relevant submissions of the Domestic Industry as below:
- a. The Authority has evaluated injury in the POI and also examined the likelihood of injury on account of imports from the subject country if appropriately.
  - b. Rule 11 of Antidumping Rules read with Annexure-II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, “.... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles....” In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.
  - c. Article 3.1 of the WTO Agreement and Annexure-II of the AD Rules provide for an objective examination of both, (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices, in the domestic market, for the like products; and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. With regard to the volume effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute term or relative to production or consumption in India. With regard to the price effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress the prices to a significant degree, or prevent price increases, which would have otherwise occurred to a significant degree.
  - d. As regards the impact of the dumped imports on the domestic industry Para (iv) of Annexure-II of the Anti-Dumping Rules states as follows.  

*“The examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry concerned, shall include an evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the Industry, including natural and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of margin of dumping actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments.”*
  - e. According to Section 9(A)(5) of the Customs Tariff Act, anti-dumping duty imposed shall, unless revoked earlier, cease to have effect on the expiry of five years from the date of such imposition, provided that if the Central Government, in a review, is of the opinion that the cessation of such duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury, it may, from time to time, extend the period of such imposition for a further period of five years and such further period shall commence from the date of order of such extension.
  - f. For the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry in India, indices having a bearing on the state of the industry such as production, capacity utilization, sales volume, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping, etc. have been considered in accordance with Annexure II of the rules supra.
  - g. The present investigation is a sunset review of anti-dumping duties in force. Rule 23 provides that provisions of Rule 11 shall apply, mutatis mutandis in case of a review as well. The Authority has, therefore, determined injury to the domestic industry considering, mutatis mutandis, the provisions of Rule 11 read with Annexure II. The Authority has examined whether the extent of anti-dumping measure which is sufficient to counteract the dumping which is causing injury.
  - h. For the purpose of current injury analysis, the Authority has examined the volume and price effects of dumped imports of the subject goods on the domestic industry and its effect on the prices and profitability to examine the existence of injury and causal links between the dumping and injury, if any. The Authority has examined injury to the domestic industry by considering information relating

to Gujarat Fluorochemicals Ltd. Accordingly, the volume and price effect of dumped imports are examined as follows: -

**1) Volume Effect of Dumped Imports**

**a) Assessment of Demand/Apparent Consumption**

34. The demand or apparent consumption of the product in India is considered as sum of domestic sales and imports from all sources. Exports made by the Indian Producer have been excluded from this computation. The demand so assessed is given in the table below:

Particulars	Units	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Sales of Domestic Industry	MT	***	***	***	***
Sales of Other Indian Producers	MT	***	***	***	***
Imports from Subject country - China PR	MT	897	1,171	1,051	702
Imports from Other Country attracting ADD – Russia	MT	7	104	244	187
Imports from other countries	MT	1,080	976	795	1,057
Total Demand	MT	***	***	***	***

35. The Authority holds that the aforesaid indicates that the demand for the product under consideration has increased throughout the injury period with a slight decline in the period of investigation, but higher than the base year.

**b) Import volume & market share**

36. With regard to volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports either in absolute terms or relative to production or consumption in India. Annexure II (ii) of the anti-dumping rules provides that;

*“While examining the volume of dumped imports, the said Authority shall consider whether there has been significant increase in the dumped imports either in absolute terms or relative in production or consumption in India”*

37. The import volumes of the product under consideration for the injury period, considering the transaction wise data provided by DGCI&S is evaluated as under:

Particulars	Units	2012-13	2013-14	2014-15	POI
<b>Import Volume</b>					
China PR - Subject Country	MT	897	1,171	1,051	702
Other Country attracting ADD – Russia	MT	7	104	244	187
Other Countries	MT	1,080	976	795	1,057
<b>Total import volume</b>	<b>MT</b>	<b>1,983</b>	<b>2,251</b>	<b>2,089</b>	<b>1,945</b>
<b>Market share in import volume</b>					
China PR - Subject Country	%	45.20	52.01	50.31	36.07
Other Country attracting ADD - Russia	%	0.34	4.62	11.66	9.62
Other Countries	%	54.45	43.37	38.03	54.31
<b>Imports from subject countries</b>					
In Relation to Total Imports	%	45.20	52.01	50.31	36.07



In Relation to Indian Consumption	%	***	***	***	***
In Relation to Indian Production	%	***	***	***	***

38. The imports of the product under consideration from subject country increased till 2013-14 and declined thereafter but have however remained significant, both in absolute terms and in relation to Indian production and consumption in India throughout the injury period. The circumstances indicates that there could be significant increase in market share of imports in case of cessation of anti-dumping duty.

**c) Market Share in Demand**

39. The Authority notes that the market share of the domestic industry in the Indian demand has increased over the injury period from 44.48 % in 2012-13 to 53.86% in POI, with a slight decline in 2013-14. The market share of imports from China has increased till 2013-14 and decreased thereafter but were significant

Particulars	Units	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Share of Domestic Industry	%	***	***	***	***
Share of Other Indian Producers	%	***	***	***	***
Share of Subject country - China PR	%	23.28	27.32	22.20	16.25
Share of Other Country attracting ADD - Russia	%	0.18	2.43	5.15	4.34
Share of Other Countries	%	28.05	22.78	16.79	24.47

**2) Price Effect of Dumped Imports**

40. With regard to the effect of the dumped imports on prices, the Authority is required to consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. In this regard, a comparison has been made between the landed value of the product and the average selling price of the domestic industry net of all rebates and taxes, at the same level of trade. The prices of the domestic industry determined at the ex-factory level, are compared with the landed values of dumped imports.

**a) Price Undercutting**

41. The price undercutting assessed by comparing the the landed price of imports with the domestic selling price of the subject goods in India during the period of investigation, is as under:

Particulars	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Landed value without ADD	Rs./Kg	633.01	517.57	493.72	441.39
Net Selling Price	Rs./Kg	***	***	***	***
Price undercutting without ADD	Rs./Kg	***	***	***	***
	%	***	***	***	***
	% Range	0-10	5-15	5-15	10-20

42. The Authority holds that the landed price of imports without anti-dumping duty is lower than the selling price of the domestic industry throughout the injury period, thus resulting in positive price undercutting. The same also indicates that the dumped imports could continue to result in significant price undercutting if the existing anti-dumping duty expires.

**b) Price Suppression and depression**

43. The price suppression and price depression effect of the dumped imports has also been examined with reference to the cost of sales, as compared with the net sales realisation and the landed values of the subject goods from the subject country in relation to injury period including POI, as under.

Particulars	Unit	2012-13	2013-14	2013-14	POI
Cost of Sales	Rs/Kg	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>108</i>	<i>104</i>	<i>111</i>
Selling price	Rs/Kg	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>83</i>	<i>80</i>	<i>76</i>
Landed Value	Rs./Kg	633	518	494	441
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>82</i>	<i>78</i>	<i>70</i>

44. The Authority notes that the landed price of imports has continuously declined throughout the injury period. The Selling price of the domestic industry has continuously declined in tandem with the landed value. Therefore, the selling price of the domestic industry remained depressed.
45. The Authority further notes that the imports have led to depressing and suppressing effect on the prices of the domestic industry in the market. The cost of production has though increased over the injury period, the selling prices have been prevented to rise.

### 3) Examination of Economic Parameters Relating to Domestic Industry

46. Annexure II to the Antidumping Rules requires that a determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. The Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments. The various injury parameters relating to the domestic industry are discussed below:

#### a) Production, Capacity, Capacity utilization, Sales

47. Performance of the domestic industry with regard to Production, Capacity, Capacity utilization and Sales is as follows:

Particulars	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Capacity (in term of TFE)	MT	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>135</i>	<i>154</i>	<i>206</i>
Production (TFE)	MT	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>114</i>	<i>158</i>	<i>149</i>
Capacity Utilization (TFE)	%	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>85</i>	<i>102</i>	<i>72</i>
Domestic Sales	MT	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>108</i>	<i>148</i>	<i>181</i>

48. From the above, the Authority notes that the capacity of the domestic industry has increased, the production of the domestic industry has increased till 2014-15 but declined thereafter in POI. Also, the

capacity utilization of domestic industry has declined significantly in relation to the base year as well as previous year. It is also noted that the domestic sales of the petitioner has increased upto 2014-15.

**b) Market Share in Total Indian Demand**

49. The Authority notes that the market share of the domestic industry has increased over the injury period with a slight decline in the year 2013-14. The market share of Chinese imports increased till 2013-14 and decreased thereafter but was significant. However, it is pertinent to note that this is the situation when anti-dumping duty is in existence. The Authority notes that the situation may deteriorate in the event of cessation of anti-dumping duty.

Particulars	Units	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Share of Domestic Industry	%	***	***	***	***
Share of Other Indian Producers	%	***	***	***	***
Share of Subject country - China PR	%	23.28	27.32	22.20	16.25
Share of Other Country attracting ADD – Russia	%	0.18	2.43	5.15	4.34
Share of Other Countries	%	28.05	22.78	16.79	24.47

**c) Profits, return on investment and cash flow**

50. Performance of the domestic industry in respect of the above parameters is summarized as follows:

Particulars	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Profit/( Loss)	Rs/Kg	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>7</i>	<i>9</i>	<i>-27</i>
Profit/Loss	Rs.Lacs	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>8</i>	<i>14</i>	<i>-49</i>
Cash Profit	Rs.Lacs	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>19</i>	<i>26</i>	<i>-21</i>
Return on Capital Employed	%	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>15</i>	<i>14</i>	<i>-29</i>

51. The Authority notes that the Profitability of the product under consideration has declined significantly during the year 2013-14 and then it increased slightly during 2014-15 but was still below as compared to the base year. Profitability also declined in the POI leading to financial losses. It is also noted that the return on investment and cash profits have followed a trend almost the same as that of profits. ROI and cash profits have also deteriorated during this period and were negative in the POI.

**d) Inventories**

52. The Authority notes from the table below that the inventories with the domestic industry have increased slightly when compared with the base year.

Particulars	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Average Stock	MT	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>94</i>	<i>102</i>	<i>101</i>

**e) Employment, Productivity and Wages**

53. The Authority notes from the table below that the employment with the domestic industry has declined over the injury period whereas the wages declined significantly in 2013-14 but increased thereafter. Productivity has increased in POI.

Particulars	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Employment	Nos.	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>83</i>	<i>83</i>	<i>91</i>
Salary & Wages	Rs.Lacs	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>33</i>	<i>68</i>	<i>111</i>

**f) Growth**

54. Information with respect to growth of various parameters is as follows:

Growth	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
In Production	%	-	***	***	***
In Domestic Sales Volume	%	-	***	***	***
In Selling price domestic	%	-	***	***	***
In Cost of sales domestic	%	-	***	***	***
In Average stock	%	-	***	***	***

55. The Authority notes that the growth of the domestic industry has deteriorated.

**g) Ability to raise capital investments**

56. The Authority notes that domestic industry's performance is adversely impacted because of dumping and when fresh investments have already been made and are not generating adequate returns, further fresh investments cannot be envisaged for future.

**h) Level of dumping & dumping margin**

57. The Authority notes that the dumping margin from subject country is not only above the de-minimus limit but quite substantial.

**ii. CAUSAL LINK**

58. As per the AD Rules, the Authority is, inter alia, required to examine any known factors other than the dumped imports which at the same time are injuring the domestic industry, so that the injury caused by these other factors must not be attributed to the dumped imports. Factors which may be relevant in this respect include, inter alia, the volume and prices of imports not sold at dumping prices, contraction in demand or changes in the patterns of consumption, trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers, developments in technology and the export performance and the productivity of the domestic industry. It was examined whether these other parameters listed under the Rules could have contributed to injury to the domestic industry.

**a) Changes in the pattern of consumption:**

59. The pattern of consumption with regard to the product under consideration has not undergone any change. However, petitioner contended that the consumers have started importing the processed product, which has taken away some of the demand for the product in the Country.

**b) Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers:**

60. There is no trade restrictive practice, which could contribute to the injury to the domestic industry.

**c) Developments in technology:**

61. Technology for production of the product has not undergone any change, and developments in technology is therefore not a factor of injury.

**d) Export performance:**

62. The claimed injury to the domestic industry is on account of domestic operations. The petitioner has provided costing and injury information for domestic sales separately which has been appropriately analysed. Hence, injury to domestic industry on domestic sales is segregated separately and is noted that it cannot be attributed to exports.

**e) Performance of other products produced and sold by the domestic industry:**

63. Information provided in this petition contains information with regard to subject goods only.

**Magnitude of Injury and Injury Margin**

64. The non-injurious price of the subject goods produced by the domestic industry as determined by the Authority in terms of Annexure III to the AD Rules has been compared with the landed value of the exports from the subject country for determination of injury margin during the POI and the injury margin so worked out is as under:

Particulars	Unit	POI
Non injurious Price	US\$/MT	***
Landed Value	US\$/MT	6697
Injury margin	US\$/MT	***
Injury margin	%	***
Injury margin	range in %	65-75

65. From the aforesaid, the Authority holds that during the POI, the injury margin in respect of imports of PUC of the subject goods manufactured by all producers/ exporters from China is positive.

**Material Injury**

66. Imports from the subject country have increased and have remained noticeable despite anti-dumping duty, both in absolute terms and in relation to production/consumption in India. The landed price of imports is not only below selling price of the domestic industry but also below cost of sales and non-injurious price of the domestic industry. Imports are undercutting the prices of the domestic industry in the market. The imports are depressing and suppressing the prices of the domestic industry in the market. There is decline in the import prices over the years and resultantly, the performance of the domestic industry declined in terms of profits, return on investments and cash flow as compared to the base year.

**Submissions by the domestic industry**

67. The domestic industry submitted as under in its claim of likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury :
- The factors relevant to likelihood of dumping are relevant to the likelihood of injury as well in the present case and the same are relied upon.
  - Significant dumping have been established in all the three investigation conducted in respect of the subject goods from the subject country. Dumping Margins determined in previous investigation were significant. And that in the current investigation period is also substantial. This clearly establishes that the dumping is likely to continue in the event of cessation of anti-dumping duty.
  - Imports made into the domestic market have been made at dumped prices despite imposition of anti-dumping duty

- d. From last twelve years, the import volume is significant and thus, there is no reason to believe that the volume will decline in the event of cessation of antidumping duty.
- e. The companies in subject country have enhanced the capacity of PTFE production by 61% to a level of about 1 lakh MT and the production by 80%.
- f. Both dumping margin and injury margin in case of exports from China to third countries is negative.
- g. Both dumping margin and injury margin in the current POI are positive and significant in case of subject country.
- h. The price undercutting without prevailing anti-dumping duties is positive.
- i. The Indian market is highly price sensitive. The consumers decide their procurement, with the price being the foremost consideration. Such being the case, availability of such low priced imports from the subject country in the market would definitely cause an adverse impact on the Domestic Industry. This is further established by the long term dumping practice by the subject country.
- j. The import prices are materially below selling price of the domestic industry. The consumers may therefore switch to imported product in the event of cessation of antidumping duty which may lead to increase in imports of the product.
- k. The prices at which subject goods are being imported are substantially lower than the price at which the goods are being sold in the domestic market. Therefore, in case of expiry of duty, exporters would further channelize their output in the Indian market as they are already holding excessive capacities and are in fact selling subject goods to third countries at substantially lower prices.

**Submissions made by the exporters, importers and Other Interested Parties**

68. None of the producers/exporters/importers/other interested parties has made any submissions in this regard.

**Post disclosure comments**

The following post disclosure comments by domestic industry have given as under:

- a) There are significant changes made in determining per unit cost of production for establishing NIP and the return @ 22% is required to be added to the cost of production of captive power.
- b) The Authority is requested to take into consideration the cost and the investments of power plant while considering macro economic situation as the company has set up power for self-consumption.
- c) The difference between the accounting practice followed by the company and statutory/regulatory requirements/obligations on the company needs to be considered as it is not open for the company to adopt any other value of wind power in the books of accounts.
- d) To normate the cost of production of captive inputs is not in line with the NIP law and the PUC itself is to be optimized and not its intermediate.
- e) The packaging materials (secondary) falls within the category of expenses and thus should have been taken into consideration while calculating NIP per Para 4(vi) of Annexure III.
- f) The anti-dumping duties are required to be imposed in accordance with the dumping margin and injury margin established in the present investigation
- g) The duty should be imposed in fixed quantum, expressed in US\$/kg.
- h) The duty requires to be imposed in terms of US dollars.

**Examination by the Authority**

69. The Authority notes that the present investigation is a sunset review of anti-dumping duty imposed on the imports of subject goods from China. Under the Rules, the Authority is required to determine whether

continued imposition of antidumping duty is warranted. Further, the Authority notes that in the present investigation, there is continued dumping of the subject goods from China causing continued injury to the domestic industry, which indicates likelihood of dumping and injury from these subject country.

70. The following analysis shows that there is likelihood of continuation of dumping and consequent injury to the domestic industry in the event of cessation of antidumping duties:

**i. Dumping Margin determined in previous investigations**

71. Considering the dumping margin determined by the Authority in the previous investigations and now assessed, it is quite evident that the exports continue to be made at dumped prices despite AD measures in force and are likely to continue with cessation of anti-dumping duties. Volume of dumped imports has remained significant even after imposition of anti-dumping duties. It is quite likely that the volume of imports may increase in the event of cessation of anti-dumping duties, given the significant price undercutting and underselling during the injury period.

**ii. Volume of imports between original period and subsequent periods**

72. An analysis of the volume of exports reported in the previous cases as well as in the current period shows that the volume of imports in case of subject country has remained significant despite imposition of anti-dumping duty. The probability that the volume would increase in the event of revocation of antidumping duty, seems high.

**iii. Freely disposable present and potential capacities and export tendencies of foreign producers**

73. It is noted that the producers of the subject goods in subject country hold significant production capacity which is far more than Indian demand. The Authority notes that the domestic industry has provided evidence that the Chinese producers/exporters in China have enhanced their capacity and production by 61% and 80% respectively during the injury period. The Authority further notes that as per world trade atlas data, the export of subject goods in 2015 and 2016 have been to an extent of about 21000 MT. This establishes that in the event of cessation of duties, exports to India will intensify from the subject country.

**iv. Likelihood of Continuation or Recurrence of Dumping and Injury**

74. The Authority notes that this is a sunset review investigation and the focus of this investigation is to examine the likely scenario of continued dumping and consequent injury if the anti-dumping duties were to be allowed to expire even if there is no current injury. It is noted that the subject imports are entering into the domestic market at dumped and injurious price, and as well as post POI period.

Particulars	2012-13	2013-14	2014-15	POI	Post POI (April'16 – Sep'16)
Quantity (MT)	897	1171	1051	702	169
Price (Rs./Kg)	582	476	454	406	489

**v. Price attractiveness of the Indian market**

75. The price, at which the subject goods are being exported by China PR to India, is an indicator of the likelihood of continuation/intensification of dumping. At the current landed price in India, the price undercutting is positive without prevailing anti-dumping duty. Thus, with the cessation of anti-dumping duty, it would be too attractive for the Chinese producers to intensify their exports to India at dumped prices and there is strong likelihood that Indian consumers would resort to large scale imports of the subject goods from China.

**vi. Vulnerability of Domestic Industry in terms of price sensitivity of the product and the Indian market**

76. The Indian market for the subject goods is quite price sensitive and consumers decide their procurement, with the price being an important consideration. Availability of low priced imports from the subject country in the market could cause an adverse impact on the Domestic Industry. The continued long term dumping practice by the producers/exporters from the subject country, the facts of the present case, and considering the current dumping and injury and likelihood of dumping and consequential injury, the

Authority holds that the dumping and consequential injury to the domestic industry is likely to continue in the event of cessation of anti-dumping duty.

77. The Authority also notes that in the instant case, dumping of the product under consideration has caused injury to the domestic industry. The current import volumes and dumping margin from the subject country, enhances probability that expiry of anti- dumping duty may result in intensified dumping of subject goods from the subject country in the Indian market given the fact that subject country holds capacities beyond domestic demand. It is also noted that present anti-dumping duties are at present acting as a restraint, cessation of which may lead to increased dumped imports of the subject goods from the subject country.

**vii. Price undercutting in the absence of measures**

78. The Authority notes that the dumped imports from subject country would cause price undercutting in the absence of anti-dumping duty and with the existing antidumping ceasing, there is a likelihood that price undercutting may deepen.
79. The Authority notes the aforesaid submissions made by the Domestic Industry regarding NIP determination and holds that all costs pertaining to product under consideration have been considered in accordance with provisions of Annexure 3 of AD Rules and as per Authority's consistent practice on methodology to deal with such elements. The return is provided on total cost of production in which power cost is included, hence 22 % return on power cost separately cannot be considered. As Domestic Industry has consistently followed transfer price formula in accounts the same has been considered while determining NIP. The contention of Domestic Industry is not tenable. Secondary packing is meant for marketing of the product and not considered to be part of the production cost. However primary packing which is only a part of production cost required for storing the product has been considered.
80. As regards form and quantum of duty, Authority has recommended continuance of the fixed form of duty in \$ terms as existing in the original findings and as per provisions of Lesser Duty Rule.

**I. Conclusions**

81. Having regard to the contentions raised, information provided and submissions made and facts available before the Authority as recorded in this finding and on the basis of the above analysis of the state of continuation of dumping and consequent injury and likelihood of continuation/recurrence of dumping and injury, the Authority concludes that:
- i. There is continued dumping of the product concerned from China, both in absolute terms and in relation to production/consumption in India causing injury to the domestic industry.
  - ii. Imports are significantly undercutting the prices of the domestic industry. The price undercutting without prevailing anti-dumping duties is positive. Further, imports are suppressing and depressing the domestic prices.
  - iii. The performance of the Domestic Industry has deteriorated in terms of profits and return on investments.
  - iv. The dumped imports from China continue to cause injury to the domestic industry despite imposition of anti-dumping duty.
  - v. Producers from subject country have significant capacity which establishes that in the event of cessation of duties, exports to India will intensify.
  - vi. Dumping of the product under consideration from China is likely to continue/ intensify should the antidumping duty be revoked.

**J. Recommendations**

82. Having concluded as above, the Authority is of the view that the anti-dumping measures are required to be extended in respect of China as specified in the duty table below. Therefore, Authority considers it necessary to recommend continued imposition of definitive anti-dumping duty on imports of subject goods from China in the form and manner as described in the duty table given below.



83. Having regard to the lesser duty rule followed by the Authority, the Authority recommends imposition of anti-dumping duty equal to the lesser of the margin of dumping and the margin of injury, on the imports of the subject goods, originating in or exported from China so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, the anti-dumping duty equal to the amount indicated in Col. 9 of the table below is recommended to be imposed by the Central Government on the imports of the subject goods, originating in or exported from China.

**DUTY TABLE**

S. No.	Sub-heading	Description	Specification	Country of Origin	Country of Export	Producer	Exporter	Amount	Unit	Currency
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	39046100	Polytetrafluoro-ethylene (PTFE)	Any	People's Republic of China	People's Republic of China	Any	Any	2637	MT	US\$
2	39046100	Polytetrafluoro-ethylene (PTFE)	Any	People's Republic of China	Any other than People's Republic of China	Any	Any	2637	MT	US\$
3	39046100	Polytetrafluoro-ethylene (PTFE)	Any	Any other than Russia or People's Republic of China	People's Republic of China	Any	Any	2637	MT	US\$

84. An appeal against the order of the Central Government that may arise out of this recommendation shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the relevant provisions of the Act.

Dr.INDER JIT SINGH, Add. Secy. & Designated Authority